दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-132
मुरादाबाद
(Monday)
02 September 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नाबालिग के यौन उत्पीड़न के बाद उत्तर 24 परगना में बवाल; बीरभूम के अस्पताल में नर्स से भी छेड़छाड़

घटना को लेकर लोगों का गुस्सा उस वक्त भड़क गया, जब कथित तौर पर स्थानीय टीएमसी नेता ने पीड़ित के परिवार से मामले को सेटल करने के लिए कहा। गुस्साए लोगों ने टीएमसी नेता के घर पर हमला कर दिया। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि उत्तर 24 परगना में एक नाबालिग से छेड़छाड़ की घटना से तनाव हो गया है। हालात इस कदर बिगड़ गए कि गुस्साई भीड़ ने कथित आरोपी के घर और उसके रिश्तेदार की दुकान पर हमला कर दिया। स्थिति को देखते हुए रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती कर दी गई है। वहीं बीरभूम जिले में भी एक अस्पताल में नर्स से छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। खबर के अनुसार, उत्तर 24 परगना के राजबाड़ी इलाके में एक व्यक्ति ने नौ साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न किया। जैसे ही लोगों को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना को लेकर लोगों का गुस्सा उस वक्त भड़क गया, जब कथित तौर पर स्थानीय टीएमसी नेता ने पीड़ित के परिवार से मामले को सेटल करने के लिए कहा। गुस्साए लोगों ने टीएमसी नेता के घर पर हमला कर दिया। इसके बाद आरएएफ ने हालात को नियंत्रण करने के लिए बल का प्रयोग किया। इस दौरान आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए।पीड़िता के पिता का कहना है कि %आरोपी उनके गांव का ही निवासी है। मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता कि वह ऐसा कर सकता है। मेरी बेटी नौ साल की है और वह घर से मेरी दुकान पर आई थी। उसी दौरान आरोपी ने उसका यौन उत्पीड़न किया। मेरी मांग है कि उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।% पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य घटना में बीरभूम जिले के इल्लमबाजार इलाके में स्थित एक अस्पताल में नर्स के साथ छेड़छाड़ होने की घटना सामने आई है। नर्स का आरोप है कि रुटीन के तहत जब वह मरीजों की जांच कर रही थी, उसी दौरान एक मरीज ने उसे गलत तरीके से छुआ। जब नर्स ने इसका विरोध किया तो आरोपी मरीज ने नर्स के साथ गालीगलौज की। नर्स की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी मरीज को गिरफ्तार कर लिया है।

राहुल गांधी ने उठाया वायनाड में पर्यटन को पुनर्जीवित करने का मुद्दा, बोले- दूर करना होगा लोगों का डर

राहुल गांधी ने केरल कांग्रेस के नेताओं और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ वर्चुअल बैठक में पर्यटन के मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने वायनाड में राहत और पुनर्वास को लेकर किए जा रहे प्रयासों की एक वीडियो क्लिप एक्स पर पोस्ट की।लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड में पर्यटन को पुनर्जीवित करने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यह भी कहा कि भूस्खलन के बाद क्षेत्र में हुई तबाही को लेकर लोगों के डर को दूर करना होगा। उनको समझाना होगा कि भूस्खलन पूरे वायनाड नहीं बल्कि एक क्षेत्र विशेष में हुआ था। राहुल गांधी ने केरल कांग्रेस के नेताओं और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ वर्चुअल बैठक में पर्यटन के मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने वायनाड में राहत और पुनर्वास को लेकर किए जा रहे प्रयासों की एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि वायनाड भूस्खलन के बाद हुई तबाही से लगातार उबर रहा है। यहां सभी समुदाय और संगठनों के लोगों को एक साथ आता देखकर खुशी हो रही है। उन्होंने लिखा कि वायनाड के लिए पर्यटन सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। जब वहां बारिश बंद हो जाए तो पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए पहल की जाए। साथ ही लोगों को यहां आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हमें यह ध्यान रखना है कि भूस्खलन वायनाड के एक विशिष्ट क्षेत्र में हुआ था। राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड अद्भुत पर्यटन स्थल है। जल्द ही यह अपने पूरे प्राकृतिक आकर्षण के साथ भारत और पूरी दुनिया के पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार होगा। इसके लिए हम सबको एक बार फिर साथ में आना होगा। उन्होंने कहा कि वायनाड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सबसे अहम यह है कि हम लोगों के मन से यह डर दूर करें कि यह एक खतरनाक जगह है। उन्होंने कुछ प्रमुख मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही। राहुल ने कहा कि राहत और पुनर्वास पर अंतर-विभागीय समन्वय, अपर्याप्त मुआवजा, किराये और पर्यटन पर प्रभाव जैसे मामलों पर ध्यान देने की जरूरत है। भूस्खलन में कई लोगों ने अपनी आजीविका खो दी है,

इसलिए किराये के मुद्दे पर फोकस करने की जरूरत है। रअसल, लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने दो निर्वाचन क्षेत्रों रायबरेली और वायनाड सीट से जीत हासिल की थी। केरल की वायनाड सीट से उन्होंने इस्तीफा दे दिया, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़ेंगी। वायनाड में हाल ही में हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा की शाही ईदगाह को बम से उड़ाने की धमकी, कार में बैठ खुद पर डाला पेट्रोल; सुरक्षा जवानों ने दबोचा

मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। आरोपी युवक को शाही ईदगाह के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जवानों ने पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के पसीने उस समय छूट गए, जब एक युवक ने मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद युवक दौड़कर एक कार में बैठ गया और खुद पर पेट्रोल डाल लिया। ये देख सुरक्षा जवानों के पसीने छूट गए। कार अंदर से लॉक कर ली। पुलिस ने कार के शीशे तोड़कर उसे बाहर निकाला और गिरफ्तार कर थाने ले गई।घटना करीब एक बजे की बताई जा रही है, जब शाही ईदगाह के गेट पर सुरक्षा जवान मुस्तैदी के साथ खड़े थे, तभी एक युवक वहां आ पहुंचा। उसने शादी ईदगाह को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद वो तेजी से कार में बैठ गया और दरवाजे अंदर से बंद कर लिए। इसके बाद उसने खुद पर पेट्रोल डाल लिया। ये देख सुरक्षाकर्मी हैरान रह गए।सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत ही कार के शीशे तोड़ दिए और युवक को बाहर निकाल लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम पुष्पेन्द्र बताया। पुष्पेन्द्र थाना जमुनापार क्षेत्र की मीरा विहार कॉलोनी का रहने वाले है। सूचना पर उसके परिवार के लोग भी थाने पहुंच गए। उन लोगों ने बताया कि पुष्पेन्द्र के बच्चों की मौत हो चुकी है, तभी से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वो ऐसी ही बातें करता रहता है। पुलिस के सामने बैठकर

शिवाजी का मूर्ति गिरने का मामला: उद्धव बोले- PM की माफी से अहंकार की बू आ रही थी; शरद पवार और पटोले ने भी घेरा

इससे पहले शुक्रवार को पालघर में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं, बल्कि एक देवता हैं। आज मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और माफी मांगता हूं।महाराष्ट्र का विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने रविवार को जमकर घेरा। एमवीए ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग के विरोध में दक्षिण मुंबई के प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक दौरान उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घटना को भ्रष्टाचार का एक उदाहरण बताया।क्या किलोमीटर दूर मालवन तहसील के राजकोट किले अगस्त को गिर गई थी। इसका अनावरण पीएम मोदी ने 4 दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर किया था।कौन-कौन मार्च में शामिल हुआ?- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) सुप्रीमो शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे, कांग्रेस राज्य इकाई के प्रमुख नाना पटोले और पार्टी की मुंबई प्रमुख वर्षा गायकवाड़ ने हुतात्मा चौक पर पुष्पांजलि अर्पित करके विरोध मार्च की शुरुआत की। यह चौक %संयुक्त महाराष्ट्र% आंदोलन में शहीद हुए लोगों की याद में बनाया गया है। उद्धव ठाकरे ने क्या कहा?- गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि क्या आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी में अहंकार देखा? इसमें अहंकार की बू आ रही थी। एक उपमुख्यमंत्री मुस्कुरा रहे थे। महाराष्ट्र के लोग महान योद्धा राजा के अपमान को कभी माफ नहीं करेंगे। उद्धव ने मोदी की गारंटियों का मजाक उड़ाने के लिए मूर्ति ढहने, राम मंदिर और नए संसद परिसर से बारिश का पानी के टपकने की घटना का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किस बात के लिए माफी मांग रहे थे? आठ महीने पहले जिस मूर्ति का उन्होंने उद्घाटन किया था, उसके लिए? उसमें शामिल भ्रष्टाचार के लिए? एमवीए कार्यकर्ताओं को शिवाजी महाराज का अपमान करने वाली ताकतों को हराने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। मूर्ति का गिरना महाराष्ट्र की आत्मा का अपमान है।पीएम ने मांगी थी माफी- इससे पहले शुक्रवार को पालघर में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं, बल्कि एक देवता हैं। आज मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और माफी मांगता हूं। शरद पवार ने बताया अपमान- विरोध मार्च में बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का गिरना भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। यह सभी शिवाजी के अनुयायियों का अपमान है। कांग्रेस ने भी घेरा- महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री से बहुत पहले विपक्ष ने ऐसी छत्रपति शिवाजी के सिद्धांतों के साथ विश्वासघात करने वाले सरकार को सत्ता में आने देने के लिए सम्राट से माफी मांगी थी। आगामी विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि हमने यह संकल्प लिया है कि ऐसा दोबारा नहीं होने देंगे। पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य चुनावों को ध्यान में रखते हुए माफी मांगी है। कोल्हापुर कांग्रेस सांसद शाहू छत्रपति ने कहा कि सम्राट की गरिमा को हर कीमत पर बनाए रखा जाना चाहिए।

अश्विनी वैष्णव ने वंदे स्लीपर कोच का किया निरीक्षण; बोले- यह मध्यम वर्ग की सवारी, किराया किफायती होगा

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले तीन महीनों में ट्रेन यात्री परिचालन के लिए तैयार होगी। इसके साथ ही उन्होंने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के परिसर में एक नई वंदे भारत विनिर्माण सुविधा की आधारशिला भी रखी। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को बीईएमएल फैसिलिटी में वंदे भारत स्लीपर कोच के प्रोटोटाइप संस्करण का अनावरण किया। उन्होंने इसके बारे में पत्रकारों से बात भी की। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कोच को आगे के परीक्षण के लिए ट्रैक पर उतारने से पहले 10 दिनों में परीक्षण और परीक्षा से गुजरना होगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में ट्रेन यात्री परिचालन के लिए तैयार होगी।पत्रकारों से बात करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा, बहुत विशेषताओं के साथ, स्टाफ के लिए चेयरकार, वन्दे स्लीपर, वन्दे मेट्रो और किया गया है। साथ ही साथ यह इसका किराया किफायती होगा। लाए गए हैं। रखरखाव कर्मचारियों गया है। आगामी डेढ़ से दो महीनों महीने के बाद यह सेवा में आएगी।वंदे अश्विनी वैष्णव- एक बार वंदे भारत से परीक्षण हो जाएगा, उसके बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, हम सिलसिला शुरू करेंगे। फिर हर महीने दो से तीन ट्रेनें चलनी शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि नई ट्रेन डिजाइन करना बहुत मुश्किल काम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम वंदे भारत ट्रेन के डिजाइन में सुधार कर रहे हैं। हम अनुभवों से सीखकर इसे बेहतर बना रहे हैं। वंदे भारत मेट्रो के लिए भी यही सिद्धांत अपनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 डिब्बों वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन रात भर की यात्रा के लिए है। यह 800 से 1200 किमी की दूरी तय करेगी। ट्रेन में ऑक्सीजन का स्तर और वायरस से सुरक्षा जैसी अतिरिक्त विशेषताएं भी हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा, यह ट्रेन मध्यम वर्ग वालों के लिए हैं और इसका किराया राजधानी एक्सप्रेस के बराबर होगा। वंदे भारत ट्रेन में खाने की खराब गुणवत्ता पर उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे रोजाना 13 लाख भोजन परोसता है और शिकायत 0.01 फीसदी है। हम फिर भी इसे लेकर चिंतित हैं। इसपर हम सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के परिसर में एक नई वंदे भारत विनिर्माण सुविधा की आधारशिला भी रखी।

सावधानी बरतते हुए, कई सारे सुरक्षा सुविधाओं को ध्यान रखते हुए वन्दे अमृत भारत जैसी 4 ट्रेनों का विंयास मध्यम वर्ग की सवारी है इसलिए डिजाइन में भी कई चीजों के नवाचार के लिए एक अलग कैबिन भी बनाया तक इसकी टेस्टिंग चलेगी और तीन भारत ट्रेन रात भर की यात्रा के लिए- स्लीपर कारों के प्रोटोटाइप का ठीक उत्पादन का सिलसिला शुरू होगा। डेढ़ साल बाद प्रोडक्शन का

MVA के प्रदर्शन को फडणवीस ने बताया सियासी, कहा- इन लोगों ने कभी भी शिवाजी का सम्मान नहीं किया

राकांपा महासचिव और सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि यह बहुत अनुचित है कि विपक्ष इसका राजनीतिकरण कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए माफी मांगी।महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के प्रदर्शन पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने विपक्ष के इस प्रदर्शन को राजनीतिक बताया। फडणवीस ने कहा कि एमवीए या कांग्रेस ने कभी भी छत्रपति शिवाजी का सम्मान नहीं किया। इसके साथ उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने भी शिवाजी महाराज का अपमान किया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमल नाथ ने भी बुलडोजर से शिवाजी महाराज की प्रतिमा को गिरा दिया।महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ‘यह आंदोलन पूरी तरह से राजनीतिक है। चाहे महाविकास अघाड़ी हो या कांग्रेस, इन्होंने कभी भी छत्रपति शिवाजी महाराज का सम्मान नहीं किया। नेहरू जी ने द डिस्कवरी ऑफ इंडिया में शिवाजी महाराज का अपमान किया। क्या कांग्रेस और एमवीए ने इसके लिए माफी मांगी? मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री कमल नाथ ने बुलडोजर से शिवाजी महाराज की प्रतिमा को ध्वस्त कर दिया। आजादी के इतने वर्षों बाद भी उसी कांग्रेस ने हमें सिखाया कि छत्रपति शिवाजी ने सूरत को लूटा था। उन्होंने सूरत को कभी नहीं लूटा। सूरत के लोगों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित की। क्या कांग्रेस इसके लिए माफी मांगेंगी?’ राकांपा सांसद ने भी एमवीए को घेरा- राकांपा महासचिव और सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि यह बहुत अनुचित है कि विपक्ष इसका राजनीतिकरण कर रहा है। उन्होंने कहा, ‘यह दुर्भाग्य है कि ऐसी घटना घटी, लेकिन महाविकास अघाड़ी इसका राजनीतिकरण कर रही है। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इस घटना के लिए माफी मांगी। मुझे नहीं लगता है कि इसका राजनीतिकरण करना सही है।मुंबई पुलिस ने महाविकास अघाड़ी के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा कड़ी कर दी है। एमवीए आज हुतात्मा चौक से लेकर गेटवे ऑफ इंडिया तक प्रदर्शन मार्च आयोजित कर रहा है।

पूरे शहर में पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। दें कि 26 अगस्त को 35 फूट ऊंची छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गई थी। प्रतिमा का अनावरण पिछले साल नौसेना दिवस के मौके पर किया गया था। इस घटना के बाद शिवाजी महाराज प्रतिमा के संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय अपराध शाखा की एक टीम ने कोल्हापुर पुलिस के साथ मिलकर एक अभियान चलाकर चेतन पाटिल को गिरफ्तार किया।

संपादकीय Editorial

Salary pieces

The question starts with salary and ends with it. The salary to which OPS was added to form the Congress government, due to that the minister and CPS have to take two months' salary late, but the picture is not complete here. The decision of not taking salary immediately is symbolically telling that the treasury has refused to bear the burden or that now the government will remove the marks of extravagance from its character. A few days ago, the Chief Minister's IT advisor and cabinet rank holder Gokul Butel left his salary piece. In this way, he came into the limelight as a 'whistle blower' in front of the government treasury. If the issue was only about getting the salary released, then there could be many solutions, but here the fire has started in the lap of wasteful expenditure and signs of burning are emerging. On one hand, the economy is dragging on due to the non-cooperation with the centre and on top of that, the practice of distributing gulkhand in poverty has made Himachal lose its skin. Three days ago, the country's Prime Minister, after announcing 28602 crores for building 12 industrial smart cities, after the smart city, disregarded Himachal. Our neighbouring and hilly states Uttarakhand and Punjab are getting industrial smart cities, but Himachal, which sends all four MPs to the centre, did not get such a spring. Needless to say, the Atal Bihari Vajpayee government had taught Himachal to walk in the industrial sector by giving industrial package, but the Modi government is now bringing it to its knees. It is surprising that the BJP snatched one MP from the Congress and also snatched the courage of the Congress from the electoral eyelids, yet Himachal is being blamed. How will the economy trapped in the geography of mountain identity save itself? In such a situation, ask Anurag Thakur or gather a few rays in the light of Jagat Prakash Nadda, but the reality is that the advocacy of Himachal in the centre has stopped or the machinery of the government has shaken in Shimla. Anyway, are both sides of politics guilty or is the entire discourse itself taking revenge? Who will listen to the struggles happening in the proceedings of the assembly and the voice of the state being sidelined from Shimla. That is why, till date, neither governance, nor administration, nor economic system have become ideals. We need an office for the medical university in Mandi, while Dehra, which is walking on the story of new development, needs a sign of power. The banyan trees where the treasure was kept must have dried up, we have learned to quench thirst by drowning in the flood. In Himachal, political thirst and the water pots of power are seen everywhere, there the economic pots have lost their respect due to the crime of every government. In the property of a weak-economic resource-less state, do the announcements of the minister and CPS ever speak or weigh something after thinking for the helpless private sector, the jobs available there and the unemployed youth among the classes snatching economic prosperity. We are searching for a gold mine in the dark. We have a habit of wearing a crown, so some blind and deaf schools and colleges, insensitive hospitals and new offices will be opened to prove the deficit budget a lie. In the monsoon session, both sides should take an oath and have an economic dialogue, so that it can be known why human blood was shed where chickens were slaughtered.

Marketism: Find the purpose of life, otherwise you will keep paying bills; The greedy culture of the market dominates simplicity

At present, our lives are dominated by marketism. We should find the purpose of life, otherwise the whole life will be spent just in paying bills. In today's era, the greedy culture of the market dominates simplicity. A decade ago, the world was crazy about Jose Mujica. He was the affable president of Uruguay, who left the Presidential Palace and started living in a small house with a tin roof with his wife and three-legged dog. He shared countless stories of his life on which a film could be made. As a leftist urban guerrilla, he robbed a bank and spent 15 years in prison and befriended a frog living in a small hole in the ground. Beyond these stories, he made his small South American country one of the world's healthiest and most socially liberal democracies. But his legacy is more than the colorful history of his life and commitment to frugality. His ideas about a better society and a happier life made him one of the most influential and important figures in Latin America. Now he is fighting death. In April, he announced that he would undergo radiation therapy for a tumor in his esophagus. When I visited him last week on the outskirts of Montevideo, the capital of Uruguay, I saw that the disease had made him very weak and he was barely able to eat. He said, "You have come to talk to a strange old man, I am not fit for today's world at all. The way humanity is going, it seems that everything is destroyed." 35 lakh people live in Uruguay, while the country imports 27 lakh pairs of shoes. We create garbage and spend precious time of life in fulfilling desires. Explaining the reason for this, he said that the desires of man are endless and the market has dominated us. It has created an unconscious culture, which dominates our instincts. We live and work to make purchases and pay for them. Yet he says that despite this, life is beautiful. But we are losing it. Human beings can find the purpose of their lives. But if you cannot find the purpose of life, the market will force you to pay bills throughout your life. If you find the purpose of life, you will have something to live for. Something that will fill your life with happiness.

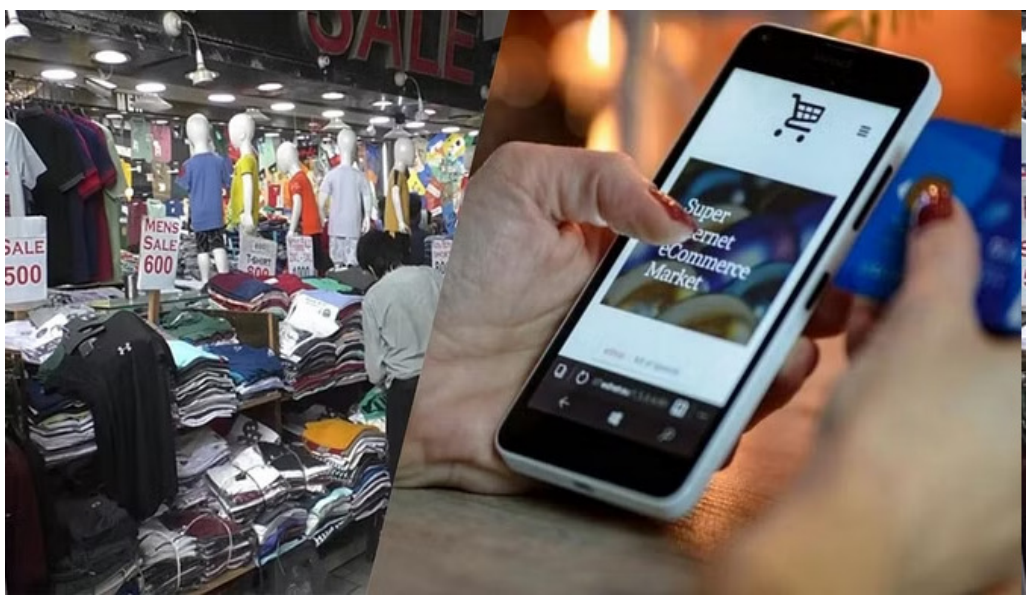

Federal Reserve: The hero and villain of the American economy, when former presidents killed the central bank

America's third president Jefferson has opposed the central bank. He said that the US constitution does not give the federal government the right to create a bank and issue currency. This work will be given to the states. He is saying, 'The central bank is more dangerous for the freedom of the common people than any armed army.' Both presidents Andrew Jackson and Thomas Jefferson were sworn enemies of central banks. But time turned out to be more powerful than them. The Federal Reserve was established in the year 1913, which is strict about inflation. Americans feel that the Federal Reserve will invite recession only after it has happened. In early August, when there was a hue and cry about recession in the world, the stock market sank to a new low, then who was considered the villain of this trouble? The same Federal Reserve, the central bank of America. The stock traders of America now curse the Federal Reserve from time to time. By repeatedly bringing down the stock market, they want to prove that if the interest rates are not reduced, then consider recession to have come. It is election season in America, governments do not like the news of falling markets and recession. The Federal Reserve is both the old hero and villain of the American economy. In America, the great seat of capitalism, there are many who lament the high interest rate i.e. expensive capital. When inflation increased after Covid, the Federal Reserve made loans expensive. Less capital came into the market and inflation stopped rising after taking this medicine. However, inflation did not go away. The Federal Reserve is strict. Its strictness has increased to such an extent that Americans feel that the Federal Reserve will agree only after calling a recession. The past of American politics has been very exciting regarding the Federal Reserve. If you think that the most controversial leader in American politics is Donald Trump, then come sit in the time machine, we will introduce you to such presidents who killed the central bank. This is America of 1836. We have reached Washington directly. It is reported that the seventh President Andrew Jackson vetoed the proposal to increase the legal validity of the Bank of United States, i.e. to re-charter it...and the Central Bank of America, i.e. the ancestor of the Federal Reserve, was closed (1836). In the era we are living in, the seventh President of America, Andrew Jackson and the third President, Thomas Jefferson, are the eyes of the people. Both these Presidents are sworn enemies of central banks. They have decided that there will be no central bank in America in future. However, time will prove to be more powerful than them. Come, let us go a little further back. The time machine has brought us to that period where the American freedom struggle has ended. The freedom struggle has broken America economically. The American Constitution has been approved (1789). The first Finance Minister, Alexander Hamilton, has come up with a proposal for federal banking to solve the problem of debt and capital in the country. The debate is going on among American businessmen. Hamilton is preparing to create such a bank, which will end the colonial monetary system of Britain and implement the national currency. The American currency is going to be the dollar. Politics is heated. Businessmen in the western part of America are opposing this bank. Politicians are divided. Thomas Jefferson, America's most respected founding leader, a strong supporter of freedom and the foreign minister in George Washington's cabinet, has also opposed this central bank. He is saying that the US Constitution does not give the federal government the right to form a bank and issue currency. This work will be given to the states. He is saying, 'The central bank is more dangerous for the freedom of the common people than any armed army.' And here it is, there is a ruckus in the US Congress. Jefferson is the foreign minister in George Washington's government and Hamilton is the finance minister. There is a fierce dispute between Hamilton and Jefferson. However, with the help of the Federalist Party, the proposal for the central bank of America was approved in 1791. A very angry Thomas Jefferson resigned from the cabinet (1793). Let's move ahead. It is the beginning of the 19th century. Thomas Jefferson is sitting in the White House. He will not let the central bank run. Hamilton's central bank ran for twenty years. After this, the US Parliament did not approve it. Now America's central debt and monetary structure is over. Different states have started issuing currencies like in the colonial era. Now we are in the first decade of the 19th century. Thomas Jefferson's term is ending in 1809. Opposition to the central bank is cooling down. The US Congress approved (1816) a proposal for a new bank to solve economic problems. This is America's second central bank. There is no guarantee whether it will last or not. This is the year 1836 and Andrew Jackson has become the President. Bank war has started in American politics. Newspapers are screaming that there is a direct fight between President Jackson and the President of the Bank of United States, Nicholas Biddle. President Jackson considers the central bank to be a bastion of corruption. He abolished the central bank using his veto. The US government's money will no longer be deposited in the central bank. This is the era of free banking in America. There are about 8,000 banks in the states, which will run their own currency for the next 25 years. Meanwhile, civil war has started in America. The fighting Americans feel that the currency chaos must now stop. We are now back in the 19th century We are in the middle of the American Civil War. The National Banking Act (1863) has been reintroduced. Through this a single currency system is being established. However, no central or federal bank has been created. In the new law, only permitted banks have been allowed to issue currency. The anarchy of currencies has brought about a banking crisis. This is the beginning of the twentieth century and decentralized government banks have started sinking due to lack of capital. Do you recognize him… this is John Pierpont Morgan i.e. JP Morgan. The wealthy banker and financier of America at that time. The American government is under his protection. Banks are being rescued with his capital. Morgan had rescued the government from crisis by giving gold at the end of the 19th century. Returning to the 21st century, you will meet the JP Morgan Chase group, which is the successor of the old Morgan. Now we are on the return flight. Lessons are being learned from the banking crisis of 1907 in America. There has been a long discussion in politics. The Federal Reserve was established in 1913. After this, in 1935, the US Congress will form the Federal Open Market Committee under the Banking Act, which will decide the banking policies that will affect the whole world in the 21st century. The journey of the time machine will end in New York, where the stock market is cursing the Federal Reserve in the same way as Jefferson-Jackson used to curse it.

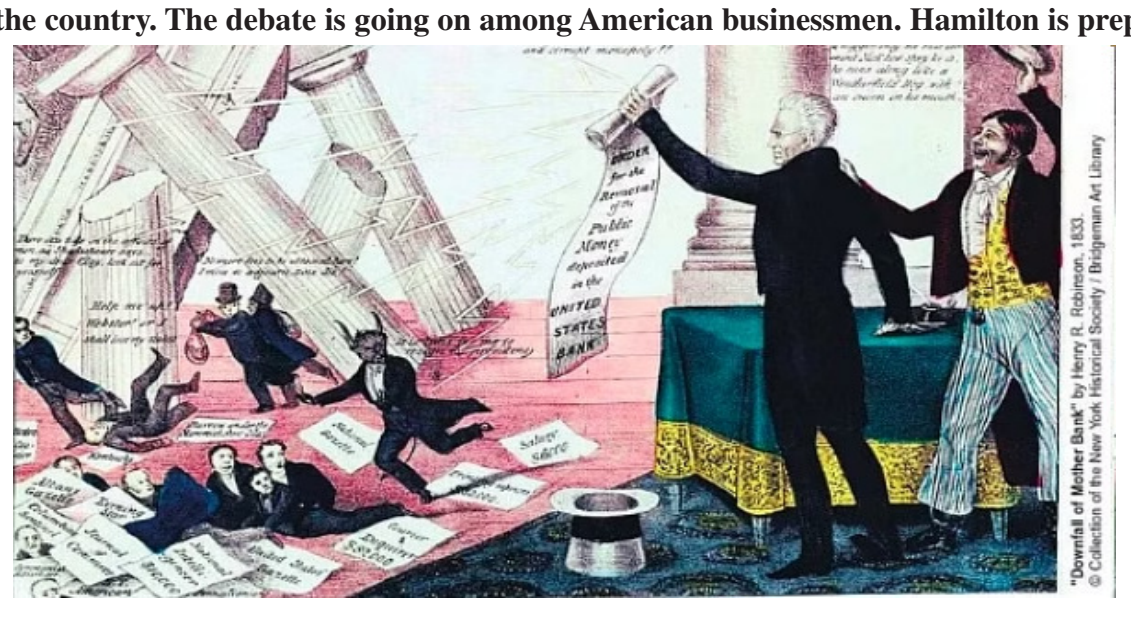

मुड़िया मोहिउद्दीनपुर गो आश्रय स्थल में बीमार होकर मर रहीं गाय, गायों की दुर्दशा का वीडियो वायरल होने पर जिम्मेदारों में मचा हड़कंप

एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री की प्राथमिकता गोवंशों को संरक्षित व संवर्धित करने की है। तो वहीं जिले में गोवंश संरक्षण में जिम्मेदारों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। डिलारी ब्लॉक में बने गो आश्रय स्थल में गायों की दुर्दशा की वायरल हुई वीडियो ने लोगों को अचंभित कर दिया है। गो आश्रय स्थल में संरक्षित गोवंशों की देखभाल में लापरवाही साफ दिख रही है। हालांकि वीडियो में गो आश्रय स्थल से गायों का चारा चुराकर ले जाता एक शख्स साफ दिखाई दे रहा है। जिले में सभी विकास खंडों में गोवंशों को संरक्षित करने के लिए गोशालाओं का निर्माण कराया गया है। इसी क्रम में विकासखंड डिलारी के गांव मुड़िया मोहद्दीपुर में गो-आश्रय स्थल बना है। पशुपालन विभाग की योजना के अंतर्गत पशु चिकित्सा अधिकारी पर गो-आश्रय स्थल में संरक्षित गोवंशों की देखरेख करने की जिम्मेदारी शासन स्तर से तय है। इनकी निगरानी के लिए शासन ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, खंड विकास अधिकारी को भी जिम्मेदारी दी है। डिलारी ब्लॉक के गांव मुड़िया मोहद्दीनपुर में बने गोआश्रय स्थल में संरक्षित 68 गोवंशों की हालत से यह सभी अधिकारी अनजान हैं। गोशाला में एक के बाद एक गाय बीमार होने से मर रही हैं। इस ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी के नरेगा का कार्य देख रहे जिला समाज कल्याण अधिकारी व ज्वाइंट बीडीओ रूपचंद भी खंड विकास अधिकारी के रूप में तैनात हैं। इसके अलावा गो-आश्रय स्थल के आसपास के 10 ग्राम प्रधानों को चारा, भूसा व अन्य जरूरत की वस्तुओं को उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। गांव के प्रधान सदाबहार का कहना है कि गाय बीमार चल रही हैं। जिसमें एक गाय की बीमारी के चलते इलाज के दौरान मौत भी हो गई थी। वीडियो में गो- आश्रय स्थल से एक व्यक्ति चारा चुरा कर बाहर ले जाता भी दिखाई दे रहा है। इससे गायों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो रहा है। यह स्थिति वायरल वीडियो में देखने के बाद भी जिम्मेदार इनकार कर रहे हैं। मुड़िया मोहिद्दीनपुर गांव में बने गो-आश्रय स्थल में गायों की हालात खराब है। इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। सुना है कि एक वायरल वीडियो में गायों की हालत खराब स्थिति में दिखाई दे रही है। खंड विकास अधिकारी रूपचंद से जानकारी की जाएगी। हालांकि वीडियो लगभग एक महीने पुरानी है। लेकिन गाय बीमारी से मरी है तो पशु चिकित्साधिकारी से जानकारी की जाएगी। सुमित यादव, मुख्य विकास अधिकारी- जो वीडियो फोटो वायरल हुई है वो मुझे भी मिली है। लेकिन यह वीडियो पुरानी है। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. नरेश कुमार ने बताया था कि जुलाई में दो गायों की मौत हुई थी। वो काफी दिनों से बीमार चल रही थीं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। उनकी रिपोर्ट भी बनाई गई है।-डॉ. अनिल कंसल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

स्ट्रीट डॉग को बेरहमी से पीटा, मौत...घटना CCTV में हुई कैद

मुरादाबाद- सदर कोतवाली इलाके में एक डेरी संचालक ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर एक स्ट्रीट डॉग को सड़क पर घेर कर बेरहमी से पीटा। पिटाई से स्ट्रीट डॉग अदधमरा हो गया। घटना की सूचना पर पीपुल फॉर एनिमल्स (पीएफए) टीम मौके पर पहुंची। जहां से स्ट्रीट डॉग को इलाज के लिए पशु चिकित्सालय ले गया। बेजुबान ने दम तोड़ दिया। मुरादाबाद की पीएफए संचालिका की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं मौके पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई। साथ ही डेरी संचालक मौके से फरार हो गया था। टीम ने डेरी पहुंच कर मौका मुआयना किया और सदर कोतवाली पुलिस को भी घटनास्थल पर बुला लिया। स्ट्रीट डॉग के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला पशु चिकित्सालय भिजवाकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ब्याह कराओ नहीं तो कूदकर जान दे देंगे... प्रेमी युगल ने टावर पर चढ़कर किया हाईवोल्टेज ड्रामा

मुरादाबाद -मुरादाबाद में प्रेमी युगल ने देर रात फिल्मी स्टाइल में मोबाइल टावर पर चढ़कर दो घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा किया। दोनों की शादी की मांग कर रहे थे। परिजनों और पुलिस ने समझाकर नीचे उतारा तो युवती ने हाथ की नस काटकर जान देने की धमकी दी। पुलिस दोनों को कोतवाली ले आई। पुलिस दोनों के परिजनों से बात कर रही है। क्षेत्र के गांव मुड़िया खेड़ा का एक युवक जौनपुर में मजदूरी करता था। इस दौरान वहां की एक युवती से उसका प्रेम प्रसंग हो गया। 15 दिन पूर्व युवक उसे लेकर अपने गांव आया था। शनिवार को तलाश में युवती के परिजन मुड़िया खेड़ा आ गए। उन्होंने युवती को वापस करने को कहा तो युवक उसे वहां से लेकर चला गया। शिकायत पर पुलिस ने युवक के भाई को हिरासत में ले लिया। पुलिस का दबाव बढ़ने पर शनिवार रात लगभग आठ बजे प्रेमी युगल शादी की मांग करते हुए काशीपुर रोड पर स्थित सागर पब्लिक स्कूल के सामने स्थित मोबाइल टावर पर मोबाइल टावर पर चढ़ गए। मांग पूरी न करने पर पर जान देने की धमकी देने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाया और युवती के परिजनों को भी बुला लिया। इस बीच युवती ने अपने हाथ की नस काट ली और कहा कि वह शादी न करने पर जान दे देगी। इस हाई वोल्टेज ड्रामे को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। यह देख पुलिस में हड़कंप मच गया। मौके पर दमकल बुला ली गई। रात 10:00 बजे दो घंटे बाद जब युवती के परिजनों ने उनकी मांग पूरी करने का आश्वासन दिया तो प्रेमी युगल नीचे उतर आया। पुलिस उन्हें लेकर कोतवाली आई। दोनों अलग-अलग जाति के हैं। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजीव चौधरी ने बताया कि दोनों पक्षों से बात की जा रही है। अभी इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

मुरादाबाद -मुरादाबाद में प्रेमी युगल ने देर रात फिल्मी स्टाइल में मोबाइल टावर पर चढ़कर दो घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा किया। दोनों की शादी की मांग कर रहे थे। परिजनों और पुलिस ने समझाकर नीचे उतारा तो युवती ने हाथ की नस काटकर जान देने की धमकी दी। पुलिस दोनों को कोतवाली ले आई। पुलिस दोनों के परिजनों से बात कर रही है। क्षेत्र के गांव मुड़िया खेड़ा का एक युवक जौनपुर में मजदूरी करता था। इस दौरान वहां की एक युवती से उसका प्रेम प्रसंग हो गया। 15 दिन पूर्व युवक उसे लेकर अपने गांव आया था। शनिवार को तलाश में युवती के परिजन मुड़िया खेड़ा आ गए। उन्होंने युवती को वापस करने को कहा तो युवक उसे वहां से लेकर चला गया। शिकायत पर पुलिस ने युवक के भाई को हिरासत में ले लिया। पुलिस का दबाव बढ़ने पर शनिवार रात लगभग आठ बजे प्रेमी युगल शादी की मांग करते हुए काशीपुर रोड पर स्थित सागर पब्लिक स्कूल के सामने स्थित मोबाइल टावर पर मोबाइल टावर पर चढ़ गए। मांग पूरी न करने पर पर जान देने की धमकी देने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाया और युवती के परिजनों को भी बुला लिया। इस बीच युवती ने अपने हाथ की नस काट ली और कहा कि वह शादी न करने पर जान दे देगी। इस हाई वोल्टेज ड्रामे को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। यह देख पुलिस में हड़कंप मच गया। मौके पर दमकल बुला ली गई। रात 10:00 बजे दो घंटे बाद जब युवती के परिजनों ने उनकी मांग पूरी करने का आश्वासन दिया तो प्रेमी युगल नीचे उतर आया। पुलिस उन्हें लेकर कोतवाली आई। दोनों अलग-अलग जाति के हैं। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजीव चौधरी ने बताया कि दोनों पक्षों से बात की जा रही है। अभी इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

यहां डिप्रेशन में हर 10वां पुलिसकर्मी... खुदकुशी तक की बात करते हैं कुछ कर्मचारी

मुरादाबाद -यूपी के इस जिले में हर 10वां पुलिसकर्मी डिप्रेशन का शिकार हो रहा है। केंद्रीय पुलिस अस्पताल में रोजाना औसतन 150 से 200 पुलिसकर्मी इलाज कराने पहुंचते हैं। अस्पताल पहुंचने वाले अधिकतर पुलिसकर्मी डिप्रेशन में हैं। जिन पुलिसकर्मियों के कंधों पर दूसरों की हिफाजत की जिम्मेदारी है, वही तनाव में हैं। केंद्रीय पुलिस अस्पताल में प्रतिदिन ऐसे तमाम पुलिसकर्मी इलाज कराने पहुंच रहे हैं, जो तनाव में हैं। मनोचिकित्सकों का मानना है कि काम के दबाव और परिवार से दूर रहने के कारण पुलिसकर्मियों में डिप्रेशन तेजी से बढ़ रहा है। हर 10वां पुलिसकर्मी किसी न किसी वजह से डिप्रेशन का शिकार है। जिले में सिविल पुलिस के अलावा पुलिस अकादमी, पीटीसी, पीटीएस और तीनों पीएसी में भी 10 हजार से ज्यादा पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की तैनाती है। सभी पुलिसकर्मियों और इनके परिवारों के इलाज के लिए सिविल लाइंस में केंद्रीय पुलिस अस्पताल है। यहां प्रतिदिन औसतन 150 से 200 पुलिसकर्मी इलाज कराने पहुंचते हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि अस्पताल पहुंचने वाले अधिकतर पुलिसकर्मी डिप्रेशन में हैं। इलाज करने वाले डॉक्टर इन्हें दवा के साथ-साथ दिनचर्या में बदलाव की सलाह दे रहे हैं। कुछ पुलिसकर्मी सीपीएच, जिला अस्पताल के अलावा निजी मनोचिकित्सकों के पास भी इलाज कराने पहुंच रहे हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मी तो इस हद तक तनाव में होते हैं कि आत्महत्या की बात करते हैं। पुलिसकर्मियों में डिप्रेशन तेजी से बढ़ रहा है। इन पुलिसकर्मियों को इलाज के साथ ही काउंसलिंग के जरिये डिप्रेशन से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल भी रेफर किया जाता है। पुलिसकर्मियों में काम का दबाव और छुट्टी न मिलने के कारण इस तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। -डॉ. एनआर आर्य, सीएमएम, सीपीएच पुलिसकर्मियों को तनाव मुक्त रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उनके लिए पुलिस लाइन में जिम बनाए गए हैं। इसके अलावा थाने में खाली समय में पुलिसकर्मियों के खेलने की व्यवस्था की गई है। पुलिसकर्मियों से संबंधित फाइलों का लगातार निस्तारण किया जा रहा है। इसके अलावा उन्हें आराम के लिए छुट्टियां भी दी जा रही हैं।- सतपाल अंतिल, एसएसपी पुलिसकर्मियों के तनाव के मुख्य कारण - शिकायत मिलने पर अफसर तुरंत पुलिसकर्मियों की जांच का आदेश दे देते हैं। - केसों की जांच में देरी होने पर अफसरों से फटकार लगना। - लंबे समय तक आवास की व्यवस्था न हो पाना। - दिन-रात ड्यूटी के दबाव के चलते आराम न मिलना। - त्योहारों और खास मौके पर छुट्टी न मिल पाना - दिनभर चौराहों पर ड्यूटी करना। - परिवार को समय न दे पाना। तनाव से बचने के उपाय- प्रतिदिन सुबह-शाम जरूर टहलें, योग करें, अपनों के बीच रहें, किसी भी बात को मन में दबाकर न रखें, कोई समस्या हो तो दोस्तों, परिवार वालों से बात करें, किसी मामले में तुरंत हार न मानें, भरपूर मात्रा में पानी पीएं, पोषक तत्वों से भरपूर भोजन करें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल खाएं। काम का दबाव, छुट्टी न मिलने के कारण पुलिसकर्मी अपने परिवार को समय नहीं दे पाते हैं। ड्यूटी के दबाव के चलते नींद पूरी न होने के कारण उनमें चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है। छोटी-छोटी गलतियों पर वह गुस्सा जल्दी करने लगते हैं। मेरे पास कई पुलिसकर्मी इलाज करा रहे हैं। पुलिसकर्मियों को अपने लिए समय निकालना चाहिए। -डॉ. नीरज गुप्ता, मनोचिकित्सक

संक्षिप्त समाचार

फिल्मी स्टाइल में मोबाइल टावर पर चढ़ा प्रेमी युगल, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा...VIDEO वायरल

शादी की जिद पर अड़ा एक प्रेमी युगल शनिवार की देर रात फिल्मी स्टाइल में मोबाइल टावर पर चढ़ गया। जिसके बाद घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता चला। परिजनों और पुलिस ने समझाकर नीचे उतारा तो युवती ने हाथ की नस काटकर जान देने की धमकी दी। पुलिस दोनों को कोतवाली ले आई। पुलिस दोनों के परिजनों से बात कर रही है। मामला ठाकुरद्वारा थाना इलाके से जुड़ा हुआ है।शनिवार की रात काशीपुर रोड स्थित मोबाइल के टावर पर चढ़े एक युवक-युवती को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंच गई और दोनों को नीचे उतरने के लिए कहा। लेकिन काफी देर तक दोनों नीचे नहीं उतरे और हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। टावर पर चढ़े प्रेमी युगल की पहचान इलाके के मुड़िया खेडा गांव के एक युवक के रूप में हुई है। युवती जौनपुर जनपद की बताई जा रही है। दोनों अलग-अलग जाति के हैं। गांव मुड़िया खेड़ा का एक युवक जौनपुर में मजदूरी करता था। इस दौरान वहां की एक युवती से उसका प्रेम प्रसंग हो गया। 15 दिन पूर्व युवक उसे लेकर अपने गांव आया था। इनकी शादी में दोनों परिवारों की रजामंदी नहीं हो पा रही थीं, जिसके कारण इन्होंने टावर पर चढ़ कर हंगामा खड़ा कर दिया। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

घर की छत पर खेल रहे थे तीन बच्चे, करंट लगने से एक की मौत...परिवार में छाया मातम

मुरादाबाद- रविवार सुबह घर की छत पर खेलते समय एक बच्चे की विद्युत लाइन का करंट लगने से मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सुचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आनन-फानन में घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करया गया। बताया जा रहा है कि तीन बच्चे घर की छत पर खेल रहे थे। घर के आगे से विद्युत लाइन गुजर रही है। इस दौरान 11000 वोल्ट की बिजली का करंट लगने से सतीश की मौत हो गई। मृतक सतीश उम्र 15 वर्ष पुत्र गोविंद निवासी मीरपुर शाहाबाद जो रिश्तेदारी में ग्वारखेड़ा निवासी कमल सिंह(अपने फुफा) के घर आया हुआ था। 11000 वोल्ट की बिजली का करंट लगने से सतीश की मौके पर मौत हो गई। पूरे गांव और परिवार में मातम छाया हुआ है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनीं प्रो. कीर्ति पांडेय, जोर पकड़ेगी 20 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया

प्रो. कीर्ति पांडेय की नियुक्ति के बाद माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में लंबित लगभग 20 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। प्रदेश में एकीकृत शिक्षक भर्ती के लिए इस आयोग का

गठन किया गया है।गोरखपुर यूनिवर्सिटी की समाजशास्त्र विभाग की प्रो. कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बीते वर्ष शासन ने प्रदेश में बेसिक शिक्षा से माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में शिक्षकों की भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया था।इसके साथ ही आयोग के अध्यक्ष व 12 सदस्य पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे किंतु सभी 12 सदस्यों की नियुक्ति 14 मार्च को कर दी गई पर सही अभ्यर्थी न मिलने के कारण दोबारा अध्यक्ष पद के लिए आवेदन मांगे गए थे।इसके साथ ही प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को 20 मार्च को आयोग का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया था। इस आयोग ने प्रयगागराज में कामकाज शुरू कर दिया था साथ ही पिछले दिनों सचिव पद पर भी तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, नियमित अध्यक्ष की तैनाती न होने से नियुक्ति प्रक्रिया नहीं शुरू हो रही थी। अब पहले से माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में लंबित लगभग 20 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। बता दें कि प्रदेश में एकीकृत शिक्षक भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया गया है। अभी तक शिक्षक भर्तियां माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड व उच्च शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से अलग-अलग हो रही थीं। अब भर्ती प्रक्रिया इस आयोग के माध्यम से होंगी।

थप्पड़ कांड की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सोमवार को, महात्मा गांधी के पोते ने डाली थी याचिका

मुजफ्फरनगर के थप्पड़ कांड में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इस मामले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते ने याचिका दायर की थी। मुजफ्फरनगर के खुब्बापुर थप्पड़ कांड की सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सईद मुर्तजा ट्रस्ट छात्र की पढ़ाई की जिम्मेदारी ले चुका है। इसके लिए छह माह का शुल्क भी बेसिक शिक्षा विभाग में जमा कराया जा चुका है।शाहपुर ब्लॉक के गांव खुब्बापुर स्थित नेहा पब्लिक स्कूल में शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र को पहाड़ा नहीं सुनाने पर उसके सहपाठियों से ही थप्पड़ लगवाए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते तुषार गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई चल रही है। बेसिक शिक्षा विभाग को छात्र की पढ़ाई के लिए ट्रस्ट का चयन करने की जिम्मेदारी दी गई थी। बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि सईद मुर्तजा ट्रस्ट ने 28 हजार रुपये जमा करा दिए हैं। अब तक हुई प्रगति के विषय में विभाग की ओर से सुप्रीम कोर्ट

को अवगत कराया जाएगायह था पूरा मामला- खुब्बापुर गांव के स्कूल में शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने पांच का पहाड़ा नहीं सुनाने पर अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र की सहपाठियों से पिटाई करा दी थी। इसी दौरान जातीय टिप्पणी का भी आरोप है। प्रकरण के दौरान पीड़ित छात्र के चचेरे भाई ने वीडियो बना लिया था। छात्र का पिता बोला, चाहिए परिवहन खर्च- छात्र को गांव से आवागमन के लिए रोजाना 200 रुपये खर्च दिया जाता है। पीड़ित के पिता का कहना है कि दो माह से खर्च नहीं मिला है। जिस कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। नियमित रूप से खर्च दिया जाना चाहिए। खुब्बापुर गांव में किस दिन क्या हुआ 2023 - 24 अगस्त = पहाड़ा नहीं सुनने पर छात्र को पिटवाया। 25 अगस्त = वीडियो वायरल, पुलिस ने जांच शुरू की।26 अगस्त = शिक्षिका पर केस, सुलह भी कराई गई। 27 अगस्त =पीड़ितों ने कहा, लड़ेंगे कानूनी लड़ाई। 28 अगस्त = मुस्लिम समाज की पंचायत बेनतीजा। 29 अगस्त=यू-ट्यूबर जुबैर के खिलाफ मुकदमा। 30 अगस्त = माकपा नेताओं का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। 31 अगस्त = पुलिस ने वीडियो की जांच आगे बढ़ाई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अधेड व्यक्ति का शव खेतो मे मिलने से गांव मे मची सनसनी

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

जालौन। ऐदलपुर के पास बिनौरा के हार में शनिवार की देर शाम अधेड़ व्यक्ति का शव खेत में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही चुर्खी थाना व जालौन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शनिवार की देर शाम करीब सात बजे कोतवाली क्षेत्र के ग्राम एदलपुर सिहारी के बीच किसान अपने खेतों से वापस घर लौट रहे थे। जब वह बिनौरा हार के पास पहुंचे तो मातादीन के खेत में एक व्यक्ति पड़ा हुआ दिखाई दिया। जब किसान पास पहुंचे तो लगभग 42 वर्षीय व्यक्ति खेत में मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। उसकी नाक से खून निकल रहा था। खेत में शव पड़े होने की खबर तुरंत फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। इसकी सूचना ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 को दी। सूचना मिलते ही जालौन कोतवाली से एसआई ओंकार सिंह व चुर्खी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया। लेकिन कोई भी व्यक्ति शव का शिनाख्त नहीं कर सका। जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पूछतांछ में ग्रामीणों ने बताया कि जब वह खेत से वापस आ रहे थे तो उपरोक्त व्यक्ति का शव खेत में पड़ा हुआ था। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। एसआई ओंकार सिंह ने बताया कि मृत व्यक्ति की पहचान कराने की कोशिश की गई। रविवार को भी पुलिस ने पहचान कराने का प्रयास किया। लेकिन अब तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। मौके पर उक्त व्यक्ति सफेद शर्ट और नीली जांघिया में पड़ा हुआ मिला, उसकी पेंट गायब थी। उसके सीने, नाक और सीने के नीचे चोट के निशान नजर आ रहे हैं। कोतवाल वीरेंद्र पटेल ने बताया कि मृत व्यक्ति की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। आसपास लापता हुए व्यक्तियों की भी जानकारी की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित माँ ने घरेलु विवाद को लेकर पुत्र के खिलाफ कोतवाली मे दिया प्रार्थना पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जालौन। घरेलू विवाद को लेकर मां के साथ गाली, गलौज व मारपीट की शिकायत पीड़ित मां ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की है। उधर, शराब के नशे में मोहल्ले के लोगों के साथ गाली, गलौज व मारपीट करने वाले युवक के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शहजादपुरा निवासी सुमन देवी ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा गजेंद्र घर में अक्सर विवाद करता रहता है। वह वृद्ध हैं इसके बाद भी वह उनका ख्याल नहीं रखता है। कई बार समझाने की कोशिश की तो वह झगड़े पर आमादा हो जाता है। पीड़िता ने बताया कि रविवार की सुबह बेटे ने घरेलू विवाद को लेकर उनके साथ गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उसने मारपीट भी कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की है। उधर, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धंतौली निवासी सुशील शराब के नशे में मोहल्ले के लोगों के साथ गाली, गलौज कर रहा था। लोगों ने समझाने की कोशिश की तो उनके साथ मारपीट करने लगा। जिसकी सूचना मोहल्ले के लोगों ने कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

मथुरा की शाही ईदगाह को बम से उड़ाने की धमकी, कार में बैठ खुद पर डाला पेट्रोल; सुरक्षा जवानों ने दबोचा

मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। आरोपी युवक को शाही ईदगाह के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जवानों ने पकड़ लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद के पास कार सवार एक युवक ने रविवार दोपहर को सनसनी मचा दी। कार में खुद को बंद कर पहले युवक ने खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। पुलिस ने उसे शीशा तोड़कर बाहर निकाला को वह कहने लगा कि वह शाही ईदगाह मस्जिद को उड़ाने आया है। खुफिया एजेंसियों से लेकर जिला पुलिस तक के हाथ पांव फूल गए। पुलिस की गहन पड़ताल में जानकारी हुई कि युवक के चार बेटे खत्म हो चुके हैं। इसके चलते वह मानसिक रूप से ठीक नहीं है। उसके परिजन भी आ गए। देर शाम तक पुलिस ने उसे हिरासत में रखा।एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि युवक की पहचान पुष्पेंद्र चौधरी निवासी मीरा विहार कालोनी, जमुनापार के तौर पर हुई है। उसने लोन में कार ले रखी है, जिसे टैक्सी के रूप में चलाता है। उसकी पत्नी प्रवेश की तीन माह पहले डिलीवरी हुई थी, जिसमें उसका मरा हुआ बेटा पैदा हुआ था। इससे पूर्व उसके तीन और बेटे खत्म हो चुके हैं।युवक की पत्नी की भी तबीयत खराब है। परिवार में दो बेटियां हैं। वह तीन माह से

घर से बाहर था। रविवार दोपहर 12 बजे करीब वह शाही ईदगाह मस्जिद के पास मिलन तिराहा पर कार में बैठा था। तभी उसे ट्रैफिक पुलिस ने टोका और कार से रोड से हटाने को कहा। इसी दौरान युवक ने खुद को कार में बंद कर लिया और अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेल लिया। यह देख पुष्पेंद्र को शीशा तोड़कर बाहर निकाला। उसे डीग गेट चौकी पर ले गए। वहां कहने लगा कि वह शाही ईदगाह मस्जिद को उड़ाने आया है। युवक की पहचान के बाद उसके परिजनों से संपर्क किया। उसकी बहन राजेश और भाई विनोद चौधरी आए। उन्होंने उसके चार बेटों की मृत्यु के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की जानकारी दी। एसपी सिटी के अनुसार युवक से देर शाम तक पूछताछ जारी है। कई सुरक्षा एजेंसियों के कर्मी भी उससे पूछताछ में लगे हैं। फिलहाल उसका संबंध किसी चरमपंथी गुट या अन्य किसी देश विरोधी संस्था से सामने नहीं आया है। युवक से पूछताछ में पता लगा कि वह किसी फूड इंस्पेक्टर द्वारा की गई टैक्सी बुकिंग पर वहां पहुंचा था। पूछताछ पूरी होने के बाद उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। काफी देर तक मची रही सनसनी- शाही ईदगाह के गेट पर सुरक्षा जवान मुस्तैदी के साथ खड़े थे। वह भी घटनाक्रम को देख अलर्ट हो गए। इधर, पुलिस उसे कार से निकालकर हिरासत में लेते हुए डीग गेट चौकी तक पहुंची। राहगीरों की भीड़ इस वाकये के संबंध में जानकारी को जुट गई। बढ़ाई गई जन्मभूमि और ईदगाह की सुरक्षा- पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां किसी भी प्रकार की कोताही के मूड में इस प्रकरण के बाद नहीं दिखी। लखनऊ से लेकर दिल्ली में बैठे आलाधिकारियों को इसकी रिपोर्ट दी गई। साथ ही जन्मभूमि और शाही ईदगाह की सुरक्षा और बढ़ाया गया। हर आने-जाने वाले पर निगाह रखी जाने लगी। बिना तलाशी के किसी को भी जन्मभूमि और शाही ईदगाह के मार्ग पर प्रवेश नहीं दिया गया।

बहराइच में भेड़िया... तो यहां बाघ ने उड़ाई ग्रामीणों की नींद, मशाल लेकर कर रहे पहरेदारी

उत्तर प्रदेश के दो जिलों में इन दिनों वन्यजीवों ने ग्रामीणों और प्रशासन की नींद उड़ा रखी है। बहराइच जिले में भेड़िये आतंक मचा रहे हैं तो लखीमपुर खीरी में बाघ का खौफ है। एक महीने में बाघ तीन लोगों की जान ले चुका है। बाघ की दहशत से हैदराबाद थाना क्षेत्र के इमलिया और अन्य गांवों के ग्रामीणों की नींद उड़ गई है। ग्रामीण

जागकर रात बिता रहे हैं। खेतों से वापस घर आते समय मशाल जलाकर निकल रहे हैं। रात में लाठी-डंडा लेकर गांव में खुद ही कॉम्बिंग कर रहे हैं। कई लोग एक साथ चलते हैं। बता दें कि 27 अगस्त को बाघ ने इमलिया गांव के अमरेश कुमार को मौत के घाट उतार दिया था। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने युवक का शव सड़क पर रखकर हंगामा और वन कर्मियों का घेराव किया था। वन विभाग ने बाघ को पकड़ने को 24 कैमरे और दो कैमरे लगाए, लेकिन वह अब तक पकड़ से बाहर है। भयभीत ग्रामीणों ने अपनी सुरक्षा खुद ही संभाली है। गांव अजान के किसान नेता श्रीकृष्ण वर्मा, इमलिया के हरि शरण शुक्ला आदि का कहना है कि वन विभाग जिस तरह पिंजरे लगाकर बाघ को पकड़ने की कोशिश कर रहा है। उससे बाघ पकड़ में आने वाला नहीं है। वनकर्मी जिस स्थान पर पिंजरे लगते हैं बाघ वहां से दूसरे स्थान पर चला जाता है। ग्रामीणों का तर्क है कि अधिकारियों से आदेश कराकर जब तक बाघ को बेहोश करने वाली गोली नहीं मारी जाती तब तक वह पकड़ में आने वाला नहीं है। उनका आरोप है कि वन विभाग ने जो पिंजरे लगाए हैं उनमें ज्यादातर खराब है। बताया कि बाघ की दहशत इस कदर फैली है कि लोग रात जाग कर बिता रहे हैं। खेतों को जाते और वापस आते वक्त मशाल जलाकर निकल रहे हैं।24 कैमरे, दो पिंजरे.. दिखी सिर्फ बाघ की तस्वीर- अमरेश को मारने वाला बाघ अब तक वन विभाग की पकड़ में नहीं आया है। 24 कैमरे, दो पिंजरे और अधिकारियों की कॉम्बिंग के बाद विभाग को सिर्फ बाघ की तस्वीर मिली है। बताया जा रहा है कि बाघ की तस्वीर कैमरे में कैद हुई है। कैमरे में तस्वीर कैद होने, खेतों में पगचिन्ह मिलने से पुष्टि होती है कि बाघ अब तक गन्ने में मौजूद है।पहले भी हो चुके हैं हमले - 3 अगस्त- बांकेगंज इलाके में गोला रेंज जंगल से सटे गांव बलारपुर के निकट दादी के साथ घास काटने गई 13 वर्षीय जानकी को बाघ जबड़े में दबाकर गन्ने के खेत में खींच ले गया। बाघ के हमले में उसकी मौत हो गई थी। 30 जुलाई- खीरी थाने के नकहा पुलिस चौकी के गांव डीहपुरवा निवासी 10 वर्षीय कृष्णकांत को किसी जंगली जानवर ने मार डाला। उसे बचाने गए युवक को जंगली जानवर ने घायल कर दिया था। ग्रामीणों ने बाघ या तेंदुए का हमला होने की आशंका जताई थी।

विजली अपूर्ती व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए केवल बदलने का काम शुरू कई मोहल्लो की विधुत अपूर्ती रहेगी वाधित

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

जालौन। टाउन बिजलीघर के आसपास की केबिलों में आए दिन स्पार्किंग और फॉल्ट होते रहते हैं। जिसके चलते दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और बिजली आपूर्ति की व्यवस्था प्रभावित होती है। बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए सोमवार को छोटे बिजलीघर की केबिल बदलने का काम होगा। केबिल बदलने के कारण आधा दर्जन मोहल्लों की बिजली आपूर्ति लगभग आठ घंटे तक ठप रहेगी। बिजली विभाग में तैनात अवर अभियंता नवीन कंजोरिया ने बताया कि नगर के मध्य में स्थित टाउन बिजलीघर में 400-400 केवी के दो ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं।

इन ट्रांसफार्मरों से बाजार सब्जी मंडी के साथ ही आसपास के साथ मोहल्ला जोशियाना, चौधरयाना, काशीनाथ, फर्दनवीस, गोविंदेश्वर, चुर्खीबाल आदि मोहल्लों में बिजली आपूर्ति होती है। टाउन बिजली घर से निकली कबिलों में आई खराबी के चलते आए दिन चिंगारी निकलती रहती है और फॉल्ट हो जाते हैं। चिंगारी के चलते आसपास के दुकानदारों को दिक्कत होती है। इसके अलावा दुर्घटना होने का भी खतरा बना रहता है।

आए दिन की परेशानी व किसी तरह की संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए यहां केबिल बदलने का निर्णय लिया गया है। जिसके चलते दो सितम्बर दिन सोमवार को केबिल बदलने का कार्य कराया जाएगा। केबिल बदलने का कार्य सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। ऐसे में इस बिजलीघर से जुड़े मोहल्लों की बिजली आपूर्ति कार्य करने के दौरान आठ घंटे तक बंद रहेगी। उन्होंने मोहल्ले के लोगों से काम के दौरान सहयोग की अपील की है।

कान्हा गौशाला में लाखों का घोटाला: चेयरमैन पति पर लगा आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/कमालगंज। शनिवार को कान्हा गौशाला में उस वक्त हंगामा मच गया जब नगर पंचायत के कर्मचारी नारायण सिंह चौहान ने गौशाला में बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगाया। नारायण

सिंह ने कहा कि चेयरमैन और गौशाला के कर्मचारी श्याम कुमार ने मिलकर लाखों रुपये का गबन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गौशाला में लगातार गोवंशों की मौत हो रही है, और मृत गोवंशों को गौशाला के पीछे दफनाया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टर अनुज दुबे, अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार, कानूनगो, तहसीलदार श्रद्धा पांडेय सहित अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है, और सभी की नजरें अब इस पर हैं कि प्रशासनिक कार्यवाही क्या रूप लेगी। कमालगंज की देवरान गढिया स्थित कान्हा गौशाला, जिसकी लागत करीब 1.65 करोड़ रुपये थी, में नारायण सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि गोबर बिक्री के रुपये में भी घोटाला किया गया है। उन्होंने कहा कि गोबर की नीलामी से प्राप्त धनराशि सरकारी खजाने में जमा करने के आदेश के बावजूद, लगभग 2 लाख रुपये का गोबर चोरी-छुपे फुटकर में बेचकर गोलमाल किया गया है। गौशाला में नाम मात्र के लिए थोड़ी सी जमीन पर हरा चारा बोया गया है। जिसे अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान दिखाया जाता है। जबकि वास्तविकता में गोवंशों को हरा चारा नहीं दिया जा रहा है। इस मौके पर तहसीलदार श्रद्धा पांडे, ईओ विनोद कुमार, और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और नारायण सिंह चौहान को समझाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि वह लिखित में शिकायत दर्ज कराते हैं, तो जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी। नारायण सिंह चौहान ने आगे बताया कि बसपा से जुड़ी मानसिकता के चेयरमैन पति भाजपा सरकार की योजनाओं को धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासनिक स्तर पर क्या कदम उठाए जाते हैं।

नेहरु रोड पर गारमेंट दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का माल जाकर हुआ राख

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। नेहरु रोड स्थिति रेडिमेंट गारमेंट की दुकान में भीषण आग लग लग गई। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग इतनी भीषण थी कि दमकल की 3 गाड़ियों को काबू पानें के लिए करीब चार घंटे का समय लग गया। जिसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। विवरण के अनुसार

कोतवाली क्षेत्र के सुनहरी मस्जिद निवासी प्रवीन रस्तोगी की नेहरु रोड़ पर रेडिमेंट गारमेंट की दुकान है। जिसे लगभग 10:45 बजे उन्होंने खोला। प्रवीन के अनुसार 11 बजे उनकी दुकान की दूसरी मंजिल पर आग लगनें की सूचना उनके कर्मचारी विक्की ने दी। आग लगने की खबर से मौके पर भीड़ एकत्रित हो गयी। व्यापारी नेता मनोज मिश्रा मौके पर पंहुचे और दमकल व बिजली विभाग को सूचना दी। कुछ देर बाद दमकल की तीन गाड़ी मौके पर आ गयी और आग बुझानें का काम शुरू किया गया। आग की तेज लपटों और धुँआ से बाजार में अफरा-तफरी मच गयी। अग्निशमन अधिकारी विजय कुमार त्रिवेदी के नेतृत्व में आग पर काबू पाया गया। आग के पीछे शार्ट सर्किट माना जा रहा है। आग से लाखों का माल राख हो गया।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

रिठौरा के मंदिरों में मनाई कन्हैया की छठी, कढ़ी चावल का भोग लगाया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के होली चौराहा मंदिर, ठाकुर द्वारा मंदिर,भुमसेन मंदिर, राधाकृष्ण मंदिर,साहूओं के मंदिर परिसर में रविवार को भगवान श्रीकृष्ण कन्हैया की छठी उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कन्हैया जी को कढ़ी,चावल,उड़द,रोटी आदि का विशेष भोग लगाया गया। इसके बाद नगर भर से आए श्रीकृष्ण भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस पुनीत कार्य में महन्त पूरन लाल, शत्रुध्न मिश्रा, गुड्डू पंडित,अभि कश्यप, राकेश कश्यप, ब्रजेश, तोताराम,सूरज,हरप्रसाद,अजय, गुड्डू कश्यप के सौजन्य से भव्य झांकियां भी प्रस्तुत की गईं।

तहसील गुढ मे बिराजमान संकटमोचन हनुमान लला का अभिषेक

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर

रीवा जिले के गुढ़ तहसील परिसर में हनुमान लला के मंदिर में

संतोष कुमार पांडेय रीडर अपर कलेक्टर रीवा द्वारा किया गया अभिषेक पंडित गोकरण प्रसाद डा हरीश कुमार दुवे बिशंभर प्रसाद तथा समाजसेवी अरूण मिश्रा बंजारी राजू तिवारी अधिवक्ता अशोक चतुरवेदी केदार पटेल मनोज सिह रामप्रसाद तिवारी पत्रकार गीता तिवारी पुरास राधिका तिवारी एवं पुजारी भुवनेश्वर दुवेदी प्रेमलाल साहू बिजय सिह बंजारी आदि कई लोगो ने भी अभिषेक मे भाग लिया और विश्व में सुख शांति रहे इस तरह की प्रार्थना की गई

आपसी विवाद मे दो पक्षो मे हुई मारपीट पुलिस ने चार लोगो के खिलाफ की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जालौन। आपसी विवाद में दो पक्षों के युवकों के बीच विवाद हो गया। जिसमें दोनों पक्षों के बीच गाली, गलौज व मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद दोनों पक्षों के चार युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमखेड़ा निवासी अनिल वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर पर काम कर रहे थे। इसी दौरान बात करने के बहाने गांव के उदय ने उसे फोन करके गांव के बाहर बुला लिया। वहां पहुंचते ही पहले से ही मौजूद उदय, हिमांशु व ईशु ने गाली, गलौज शुरू कर दी। मना करने पर वह लाठी, डंडों से मारपीट करने लगे। जिससे उसके चोटें आई हैं। वहीं, दूसरे पक्ष के युवकों ने बताया कि अनिल पहले से ही उनसे रंजिश मानता है। जिसके चलते वह गाली, गलौज कर रहा था। मना करने पर उसने भी मारपीट की। दोनों पक्षों के युवकों के खिलाफ हुए झगड़े को लेकर कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों के चार युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है।

तालाब पर घूमने गए युवक की बाइक चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जालौन। मुरलीमनोहर तालाब पर घूमने गए युवक की बाइक को अज्ञात बाइक चोरों ने उड़ाया। पीड़ित ने बाइक चोरी की सूचना कोतवाली पुलिस को दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नारोभास्कर निवासी सुनील कुमार गुप्ता शनिवार की शाम करीब साढ़े सात बजे अपनी बाइक से मुरलीमनोहर तालाब पर घूमने गए थे। तालाब का गेट बंद होने के कारण वह बाइक गेट के बाहर खड़ी करके अंदर टहलने चले गए। लगभग 20 मिनट टहलने के बाद जब वह बाहर निकला तो बाइक गायब थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कहीं पता नहीं चला। पीड़ित ने बाइक चोरी की सूचना कोतवाली पुलिस को दी है। कोतवाल वीरेंद्र पटेल ने बताया कि शिकायत मिली है जांच की जा रही है।

माफिया के फर्जीवाड़े में फंस गई पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट दीपाली भार्गव

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद। भू माफिया रज्जू उर्फ खालिद के होटल को गिरवाने के आदेश को तबादले के बाद वापस लेने के मामले में तत्कालीन नगर मजिस्टेट दीपाली भार्गव फंस गई है। कोतवाली फतेहगढ़ के मोहल्ला सिविल लाइन मडैया निवासी सुधीर दिवाकर ने तत्कालीन नगर मजिस्ट्रेट दीपाली भार्गव के आदेश के विरुद्ध हाईकोर्ट में रिट दायर की है। रिट में प्रमुख सचिव जिलाधिकारी एवं नगर मजिस्ट्रेट को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किए जाने पर प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। सुधीर दिवाकर ने सिटी मजिस्ट्रेट एवं लिपिक विदुर पाल के फर्जीवाडे के मामले में जिलाधिकारी से शिकायत की थी। उन्होंने लाधिकारी को अवगत कराया था कि वाद संख्या-1074/2022 सरकार बनाम खालिद उर्फ रज्जू धारा-10 उ0प्र0आर0बी0ओ0 एक्ट स्थल गाड़ीखाना फतेहगढ़ में रज्जू उर्फ खालिद पुत्र इरशाद अली निवासी सिविल लाईन निकट अख्तर मसीह कोठी फतेहगढ़ द्वारा ब्लू हैवन होटल का निर्माण अवैधानिक रुप से उ0प्र0आर0बी0ओ0 एक्ट का उल्लंघन कर कराया गया था। जिसके संबंध में उपरोक्त वाद दर्ज कर रज्जू उर्फ खालिद श्रीमती दीपाली भार्गव द्वारा दिनांक 01.06.2023 को किया था। उक्त मु0अ0सं0 280/2023 धारा 364, 386, 504, 120बी भा0द0सं0 मु0अ0सं0 309/2023 धारा 420, 467, 468, 471, 504, 506 थाना मऊदरवाजा में दर्ज हुई। तब से रज्जू उर्फ खालिद फरार है। ब्लू पूर्व नगर मजिस्ट्रेट द्वारा किया गया। बाद में पूर्व नगर मजिस्ट्रेट का में 27 जून 23 को छपी। तब नगरवासियों द्वारा 28 जून में रज्जू उर्फ का मुआयना किया जाना व 28 जून को आदेश की जानकारी होना तारीख 20.06.2023 डालकर नियत प्राधिकारी के लिपिक विदुर पाल घर रुपये देकर करा लाया। जबकि उक्त नगर मजिस्ट्रेट चार्ज छोड़कर रकम लेकर आदेश पिछली तारीख 26 में कराकर भ्रष्टाचार किया है। से पैदा की है। जिसकी जांच कराया जाना अति आवश्यक है तथा इस शिकायती पत्र का निम्न प्रकार निस्तारण किया है। उन्होंने शासकीय को भी कारण बताओं नोटिस जारी किया है। सुधीर दिवाकर द्वारा की कि वाद संख्या 1074/22 सरकार बनाम खालिद उर्फ रज्जू धारा-10

खालिद पुत्र इरशाद अली निवासी सिविल लाइन फतेहगढ़ द्वारा ब्लू हैवन होटल का निर्माण अवैधानिक रूप से किया गया है। जिसके सम्बन्ध में दिनांक 01-06-2023 को ब्लू हैवन होटल को गिराने का आदेश नगर मजिस्ट्रेट द्वारा किया गया था। ब्लू हैवन के गिराने का आदेश दैनिक अखबार में दिनांक 27-06-2023 में खबर प्रकाशित की गई। रज्जू उर्फ खालिद के अधिवक्ता द्वारा पत्रावली का मुआयना किये जाने एवं नकल सवाल सत्य प्रतिलिपि दिये जाने हेतु दिनांक 28-06-2023 को प्रार्थना पत्र दिया गया। जबकि प्रार्थना पत्र में पिछली तारीख 20-06-2023 डालकर लिपिक विनियमित क्षेत्र विदुरपाल द्वारा बैकडेट दिनांक 26-06-2023 में नगर मजिस्ट्रेट जब चार्ज छोड़कर दिनांक 03-07-2023 को चली गई थी, उसके बाद विदुरपाल सिंह द्वारा उनके घर जाकर बैकडेट में दिनांक 26-06-2023 में रिकाल प्रार्थना पत्र पर आदेश कराकर आदेश दिनांक 01-06-2023 को रिकाल करवा दिया था। दैनिक अखबार में दिनांक 27-06-2023 में खबर छापी गई। जो अखबार की कटिंग से स्पष्ट है एवं दिनांक 28-06-2023 को खालिद उर्फ रज्जू पत्रावली के मुआयना एवं नकल सवाल की सत्य प्रतिलिपि हेतु आवेदन किया गया। जिसमें एकतरफा आदेश को रिकाल किये जाने की प्रार्थना भी की गई थी। इस प्रार्थना पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि दिनांक 01-06-2023 की जानकारी अखबार से माध्यम से प्राप्त हुई है। यह खबर दिनांक 27-06-2023 को ही प्रकाशित हुई है। प्रार्थना पत्र पर दिनांक 28 को मिटा कर 20 लिखा जाना प्रतीत हो रहा है। यदि अखबार के माध्यम से आदेश संज्ञानित हुआ है तो दिनांक 26-06-2023 में रिकाल किया जाना सम्भव नहीं है। लिपिक विनियमित क्षेत्र विदुरपाल सिंह द्वारा उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार बैकडेट में आदेश रिकाल कराया जाना प्रतीत हो रहा है। ऐसी स्थिति में विदुरपाल सिंह, पूर्व लिपिक विनियमित क्षेत्र के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है तथा प्रतिउत्तर प्राप्त होने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। बताया जाता है कि विदुर पाल कई दशकों से महत्वपूर्ण सीट पर जमा रहा । इस दौरान उसने अनेकों फर्जीवाड़ा कर काफी दौलत कमाई है। यह जानकारी देते हुए सुधीर दिवाकर ने बताया कि सिटी मजिस्ट्रेट दीपाली भार्गव एवं लिपिक विदुर पाल के विरुद्ध भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज होना चाहिए। रिट में बुधवार को सुनवाई होगी । अभी तक शासकीय अधिवक्ता ने भी अपनी राय नहीं दी है।

माँ ने बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस ने तत्काल प्रभाव से की जाँच शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

जालौन। चार दिन पूर्व घर पर अकेला युवक घर से ही अचानक लापता हो गया। शाम को परिजन जब घर पहुंचे तो युवक गायब था। पीड़ित मां ने बेटे के लापता होने की सूचना कोतवाली में दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खटीकान निवासी बेबी बेवा वशी खटीक ने पुलिस को बताया कि बीती 27 अगस्त को परिवार के सभी सदस्य काम पर गए थे।

घर पर 22 वर्षीय बेटा सुदीप अकेला था। शाम को जब घर के सभी सदस्य वापस आए तो घर के दरवाजे खुले हुए थे। जब सुदीप को आवाज दी तो कोई आवाज नहीं मिली। जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की।

काफी तलाश करने के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद मोहल्ले और रिश्तेदारी में उसे खोजने का प्रयास किया गया। लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। बताया कि बेटा सफेद बनियान, हल्की नीली जींस पेंट, पैरों में सादा स्लीपर चप्पल और हाथों में राखी व कलावा बांधे हुए है। मां की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

होटल संचालक और प्रॉपर्टी डीलर गुड्डन कांबोज की गोली मारकर हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली।पूर्वी यमुना नहर पटरी पर गोलियों से छलनी शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान गुड्डन के रूप में हुई है, बताया जा रहा है कि मृतक होटल संचालक और प्रॉपर्टी डीलर का भी काम करता था।

सदर कोतवाली क्षेत्र में हुई हत्या। सुबह-सुबह हुई हत्या से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।रविवार सुबह शामली में एक होटल संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका शव पूर्वी यमुना नहर पटरी पर पड़ा मिला। मृतक सुबह नहर पटरी पर टहलने निकला था। सदर कोतवाली क्षेत्र में हुई हत्या। सुबह-सुबह हुई हत्या से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।एएसपी संतोष कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके से तीन गोलियों के खोल बरामद किए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अव्यबस्थाओं की भेंट चढ़ा अनुप्रिया का कार्यकर्ता सम्मेलन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद /शमशाबाद। पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा से रोष,पार्टी में नातेदारी व रिश्तेदारी रही हावी घटते जनाधार को देख विधायक ने किया छोटे से गेस्ट हाउस में कार्यक्रम,नाममात्र के जुड़े कार्यकर्ता अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ा कार्यकर्ता सम्मेलन,खाली पड़ी रही कुर्सियां अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का जिले की सीमा पर सुरजीत कटियार के नेतृत्व में एक सैकड़ा से अधिक गाड़ियों के काफिले के साथ स्वागत किया गया। जिसके बाद उन्होंने कायमगंज कस्बा स्थित एक छोटे से गेस्ट हाउस में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने से पूर्व व डा.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण लिए विधायक प्रतिनिधि शिल्पी गंगवार के हाथ आसमान पर हो गया और उन्होंने पगड़ी पहनने से मदारी गंगवार स्वागत करने के लिए इधर-उधर विधानसभा के अध्यक्ष वीरेंद्र राजपूत भी अनुप्रिया वहीं कई वर्षों से पार्टी की सेवा कर रहे ललित पाया। जिससे वह भी नाराज नजर आये। जिसके जनगणना की मांग रखी। उन्होंने कहा कि लोह माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के दौरान उपस्थित एवं अनुप्रिया पटेल जिंदाबाद के गगन भेदी नारे जिला कार्यकर्ता सम्मेलन के कार्यक्रम को चौराहे पर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल अनुसार पूर्व से प्रस्तावित जिला कार्यकर्ता गेस्ट हाउस में होना सुनिश्चित हुआ था। इस केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल विशिष्ट अतिथि थी।

सम्मलेन समाप्ति के बाद केन्द्रीय मंत्री का काफिला कायमगंज से फैजबाग पहुंचा। यहां पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओं ने अनुप्रिया पटेल जिंदाबाद के गगन भेदी नारे लगाकर उनका स्वागत सत्कार किया । उन्होंने पदाधिकारियो तथा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रेखा वर्मा, राष्ट्रीय सचिव विनोद गंगवार के अलावा कायमगंज की विधायक सुरभि लगभग 10 मिनट रुकने के बाद काफिला फर्रुखाबाद की ओर रवाना हो गया। बताते हैं कि कायमगंज फर्रुखाबाद मार्ग पर स्थित ग्राम हजिया पुर जहां अपना दल के संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय सोनेलाल पटेल के नाम से निर्मित स्मृति द्वार का राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर प्रदेश मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश चतुर्वेदी एडवोकेट,राष्ट्रीय सचिव सुरजीत कटियार,जिलाध्यक्ष राहुल गंगवार,रिंकू कटियार,अजीत पटेल,मधु गंगवार के अलावा अंकित गंगवार,देव गंगवार,ललित पटेल,सुमित गंगवार साकेत गंगवार,सुरेश कुमार बाल्मिक,अंबर गंगवार, अविनेंद्र गंगवार, प्रधान उमेश चतुर्वेदी,अनुज प्रताप सिंह,हरिदत्त शाक्य, सोरन राजपूत,सहित तमाम पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसपी आलोक प्रियदर्शी ने पुलिस विभाग में किया बड़ा फेरबदल, कई थानाध्यक्षों के किए तबादले

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद शुक्ला

फर्रुखाबाद/फतेहगढ़। जिले में पुलिस कप्तान ने पुलिस महकमे में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने पुलिस के कार्य में दक्षता और चुस्ती लाने के उद्देश्य से कई थानाध्यक्षों और निरीक्षकों के तबादले के आदेश जारी किए हैं। इस फेरबदल से जिले के विभिन्न थानों की जिम्मेदारियां नई टीमों को सौंपी गई हैं। जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई जा रही है। अमोद कुमार सिंह- थानाध्यक्ष नवाबगंज से हटाकर फतेहगढ़ कोतवाल के पद पर नियुक्त किया गया है। अमोद कुमार सिंह एक तेजतर्रार और अनुभवी अधिकारी माने जाते हैं। जिनकी नियुक्ति से फतेहगढ़ क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की उम्मीद की जा रही है। राजीव पांडे- जन शिकायत प्रकोष्ठ के प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव पांडे को फर्रुखाबाद कोतवाल बनाया गया है। उनकी नई नियुक्ति से फर्रुखाबाद में पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव की अपेक्षा की जा रही है। भोलेंद्र चतुर्वेदी- थानाध्यक्ष जहानगंज के पद से स्थानांतरित कर थानाध्यक्ष मऊदरवाजा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भोलेंद्र चतुर्वेदी को अपनी नई भूमिका में इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती दी गई है। बलराज भाटी- थानाध्यक्ष शमशाबाद से हटाकर थानाध्यक्ष नवाबगंज के पद पर नियुक्त किया गया है। बलराज भाटी ने पूर्व में अपने

कार्यकाल के दौरान कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है और अब उन्हें नवाबगंज क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने का जिम्मा सौंपा गया है। हरि श्याम सिंह- फतेहगढ़ कोतवाल से हटाकर थानाध्यक्ष जहानगंज के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नई नियुक्ति से जहानगंज में कानून व्यवस्था में सुधार की दिशा में अहम कदम उठाने की संभावना है। अमित गंगवार- थानाध्यक्ष मऊरवाजा से हटाकर थानाध्यक्ष शमशाबाद के पद पर नियुक्त किया गया है। अमित गंगवार को शमशाबाद में अपनी प्रशासनिक क्षमता का परिचय देने का मौका मिलेगा। विश्वनाथ आर्य- कुआं खेड़ा चौकी इंचार्ज दरोगा को थानाध्यक्ष कंपिल बनाया गया है। उनकी नई भूमिका में कंपिल क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने की कोशिश की जाएगी। कामता प्रसाद- निरीक्षक कामता प्रसाद को अपराध निरीक्षक थाना जहानगंज नियुक्त किया गया है। उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से नवाजा गया है। नवीन कुमार सिंह- निरीक्षक नवीन कुमार सिंह को जन शिकायत प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है। उन्हें जन शिकायतों के निवारण की दिशा में तेजी से कार्य करने की उम्मीद है। जितेंद्र चौधरी- थानाध्यक्ष कंपिल से हटाकर थानाध्यक्ष मेरापुर के पद पर नियुक्त किया गया है। एसपी आलोक प्रियदर्शी के इस कदम को पुलिस प्रशासन में नए दृष्टिकोण और उर्जा का संचार करने के रूप में देखा जा रहा है। बाद इन अधिकारियों पर अब नए इलाकों में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। इस व्यापक फेरबदल के बाद जिले के नागरिकों में मिलीजुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ क्षेत्रों में लोगों को उम्मीद है कि नई टीम से उनके इलाके में पुलिस प्रशासन और बेहतर होगा। वहीं कुछ लोग इसे प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा मान रहे हैं। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि यह नई टीम किस तरह से जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाती है।

श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति शामली द्वारा बादशाह कुमारी देवी बस यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति शामली द्वारा आज माता शाकुंभरी देवी बस यात्रा हनुमान टीला हनुमान धाम से आज सुबह 6-00 बजे दर्शन के लिए रवाना हुई जिसमें मुख्य अतिथि श्री ललित कुमार जैन ने बस को हरी झंडी देकर रवाना किया यह बाबा भूरे देव माता शाकुंभरी देवी वह पंचमुखी हनुमान जी के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में भक्त जनों को लेकर बस सवार भी मुख्य अतिथि ललित जैन का यह कहना है कि यह संस्था धर्म का प्रचार भक्तों को माता रानी के दर्शन करने के लिए जा रही है यह जग कल्याण के लिए अच्छा कार्य है जो हम सभी को मिलकर करना चाहिए इसी कामना के साथ बस में हुए वक्त सवार को यह कहा कि हमें अपने धर्म से और प्रभु के भजनों से कभी भी अलग नहीं होना चाहिए इस बस में सवार हुए भक्तजन समिति अध्यक्ष राकेश संगल सचिव अंयाश संगल रोहित बंसल मनीष मित्तल नितिन रोहिल्ला वैष्णवी गुप्ता खुशी गुप्ता सीमा शर्मा दीपक पाल मोहनलाल कन्हैया बंसल सुरेंद्र बंसल अमित गर्ग अनिल आशीष गर्ग रोहित बंसल रिटायर फौजी विजय सैनी शोभित गर्ग बबलू कुमार बबली गर्ग प्रमोद सिंगल वह अन्य काफी संख्या में भक्तजन दर्शन करने के लिए बस में सवार हुए

बौनेर चौराहे पर पुलिस को सक्रियता दिखानी चाहिए पुलिस मूल दस्तक बनी रहती है ट्रैफिक पुलिस कर्मी

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ बौनेर चौराहे पर दिनदहाड़े टेंपो चालक से मोबाइल फोन छीनकर भाग रहे अपराधी को जनता के सहयोग से मौके पर पकड़ लिया गया पुलिस मूल दर्शक बनी रही पुलिस वहां पर अपराध लगाम नहीं लगा पा रही पुलिस वहां पर अवैध वसूली करती है पुलिस के सामने ही मोबाइल फोन छीना गया और पुलिस के सामने जबकि पुलिस को अपराधों की तरफ ध्यान देना चाहिए ऐसा नहीं हो रहा है हाईवे पर चौराहे पर खुलेआम मोबाइल फोन लूट जाते हैं चेन छीनी जाती हैं कोई रुकावट नहीं पुलिस दर्शक बनी रहती है पुलिस को ऐसी जगह पर सक्रियता दिखानी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता है इन अपराधों पर अंकुश लगना चाहिए पुलिस नहीं लग पा रही है

विद्या का मंदिर बना अखाड़ा शिक्षक शिक्षक लड़े आई चोटे

क्यूँ न लिखूँ सच -Ghanshyam Prasad Sharma

शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी जो की हमेशा न्यूज़ में बना रहता है आज एक बहुत ही निंदनीय काम हुआ जिसमें टीचर टीचर ने लड़कर एक दूसरे को घायल किया इसमें कन्या शाला प्रभारी प्राचार्य राजेश रैकवार और उच्च माध्यमिक शिक्षक सीताशरण पटेल जिनमे आपसी कहा सुनी हुई और नौबत यहां तक पहुंच गई की हाथा पाई हो गई जिसमें दोनों को चोटे आई यह घटना लगभग 10.15 दिन की बताई जा रही है जिसमें राजेश रैकवार के ऑफिस में अटेंडेंस रजिस्टर रखा रहता जब सीताशरण पटेल द्वारा अटेंडेंस रजिस्टर में दस्तक करने के लिए मांगा गया तब राजेश रैकवार द्वारा मना किया गया इस बात को लेकर दोनो में मार पीट हुई जिसमे पास में रखे टिफिन को उठा कर राजेश रैकवार के सर पर कई बार किया लड़ाई देख बहा उपस्थित प्रमोद और मुन्नी लाल भ्रत्य ने दोनों को अलग किया इसके बाद लहूलुहान राजेश रैकवार द्वारा थाने में रिपोर्ट लिखवा कर अपना पक्ष रखा राजेश रैकवार द्वारा बताया गया की सीता शरण पटेल स्कूल आते थे और दसखत करके बाहर घूमने चले जाया करते थे दसवीं के बच्चों ने कई बार विज्ञान ना पढ़ाने की शिकायत कि जबकि सीता शरण पटेल का यह कहना है कि मैं उच्च माध्यमिक शिक्षक हूं मेरा बायोलॉजी सब्जेक्ट है मैं दसवीं नहीं पढ़ा सकता इस बात पर रैकवार जी द्वारा कई बार नोटिस संबंधी कार्यवाही की और आज सुबह जब सीता शरण पटेल स्कूल पहुंचे तो रजिस्टर में दसखत न करवाने की बात पर एक दूसरों में हाथापाई हुई जिससे राजेश रैकवार को चोटे आई जिनकी 100 की मदद से एमएलसी करा कर वापस विद्यालय छोड़ा गया टीचर सीता शरण को भी चोटे आई पुलिस द्वारा इनका भी एमएलसी कराया गया उन्होंने भी फिर एफ आई आर दर्ज कराई तो क्या विद्या का मंदिर अब मनमर्जी का हो गया या फिर बच्चिया भय के साए में अपनी पढ़ाई करेंगी अब देखना यह है कि सत्यता की जांच करके किस पर ठोस कार्रवाई होती है या फिर दोबारा हाथा पाई होकर इससे पूरे परिणाम दिए जाएंगे

संक्षिप्त समाचार

फ्लोरोसिस निवारण के लिये स्वास्थ्य केम्प का हूआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पारा में राष्ट्रीय फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत इनरेम फाउंडेशन ओर जिला स्वास्थ्य समिति झाबुआ के द्वारा स्वास्थ्य केम्प का आयोजन किया गया।केम्प मे धमोई , जसोदा खुमजी , पलासड़ी , पिथनपुर ,चूड़ेली , बलोला , गोमला ,झूमका ओर आसपास के गांवों के लोगो ने केम्प में स्वास्थ्य लाभ लिया । केम्प मे कुल 229 महिला पुरूष ओर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाई वितरण किया गया । उस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर पंकज ढाकिया ,डॉ विजय सोलंकी, ष्ट।ह्व उर्मिला धूंद , ज्योति बारिया , अनिता परमार , रमेश डोडवा , राहुल तोमर , कलविश डावर , नवल भयडिया ,इनरेम की टीम की तरफ से कल्पना बिलवाल , अर्जुन खराड़ी , सोहन भूरिया , सरिता खराड़ी ,जितेंद्र पाल ने केम्प को सफल बनाने में विषेश सहयोग रहा। इनरेम फाउंडेशन ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम का सहयोग देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

अवैध कट्टी घरों पर प्रतिबंध लगाए -राकेश कुमार

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि बोनेर हाईवे पर दोनों तरफ थोड़ा आगे चलकर कट्टी घरों की बदबू चलने वाले लोगों कठिनाइयों का पड़ता है इस बदबू तरह की बीमारियां है कट्टी घरों का पड़ा रहता है बहुत आती है हाईवे पर के सामने काफी सामना करना से लोगों में तरह- फैलने की आशंका मालवा खुलेआम दुखदाई है भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि जितने भी अलीगढ़ के किसान हैं इस हाइवे पर होकर जाते हैं तो उनको परेशानियों का सामना करना पड़ता है आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिलाधिकारी कमिश्नर से आग्रह करता हूं तत्काल इस समस्या का समाधान कारऐ अवैध रूप से चल रहे कट्टी घरों को बंद कराऐ इन पर प्रतिबंध लगाए किसानों का संगठन है किसानों के साथ खड़ा है किसने की समस्याओं की अनदेखी सहन नहीं होगी

लूट को चोरी में दर्ज करने वाली पुलिस ने गलती सुधारी, बदली गई धाराएं

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ महानगर के महुआ खेड़ा क्षेत्र की ओजोन सिटी हाउसिंग सोसाइटी में रहने वाले मुजफ्फरनगर बीज निगम के कर्मचारी के घर में हुई लूट की वारदात को चोरी में दर्ज करने वाली पुलिस ने सात दिन बाद लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। हालांकि पुलिस अभी तक बदमाशों को पता नहीं लगा सकी है। मूल रूप से कासगंज बड़ागांव के बाबूलाल मुजफ्फरनगर बीज निगम में कर्मचारी हैं। वह इस सोसाइटी के मकान नंबर ए-274 में रहते हैं। 23 अगस्त की रात आए बदमाशों ने बंधक बनाकर कई लाख का माल लूट लिया था। बदमाशों ने परिजनों को पीटा भी था। पुलिस ने मामले में बंधक बनाकर चोरी करने व धमकाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया। ये सवाल क्यों ना लिखूं सच ने प्रमुखता से उठाया कि आखिर बंधक बनाकर कौन सी चोरी होती है। कानून के अनुसार जहां बल प्रयोग हो गया, बंधक बनाया गया या डराया धमकाया गया, वहां लूट हो जाती है। इस पर कॉलोनी वासियों व पीड़ित परिवार ने भी नाराजगी जताई। पुलिस के खिलाफ सवाल खड़ा किया। इसी मामले में अब पुलिस ने मुकदमे में चोरी की धारा लूट में तरमीम कर दी है। मगर अभी खुलासे की दिशा में कोई बेहतर प्रयास होता नहीं दिखा है। पुलिस खाली हाथ है। इस विषय में इंस्पेक्टर महुआ खेड़ा सत्यवीर सिंह कहते हैं कि परिवार के बयानों के अनुसार मुकदमे में लूट की धारा बदल दी गई है। बाकी खुलासे की दिशा में प्रयास जारी है। लगातार लोगों को अलग-अलग बुलाकर पूछताछ जारी है। चिह्नित किए जा रहे हैं। उन्हें बुलाया जा रहा है।

संगठन को आगे बढ़ना चाहिए तभी संगठन को बल मिलेगा चौधरी हरवीर सिंह सोलंकी

क्यूँ न लिखूँ सच -रवि शंकर शर्मा

अलीगढ़ थाना छर्रा क्षेत्र के आज ग्राम इस्माइलपुर में महाराजा सूरजमल सामाजिक कल्याण समिति की बैठक हुई इसमें संस्थापक अध्यक्ष चौधरी हरवीर सिंह सोलंकी चौधरी नरपल सिंह अध्यक्षता में संचालन संचालन चौधरी विजेंद्र सिंह हुआ की संगठन संगठन को मजबूत यह पंचायत में निर्णय लिया गया है कि पूरे प्रदेश में आगे बढ़ाया जाए इस एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे इसकी सिंह सोलंकी ने कहा है कि प्रत्येक मेहनत से कार्य करना चाहिए और इस करना चाहिए चौधरी राजू पुष्पेंद्र सिंह विजय सिंह तेजवीर सिंहतभी संगठन को बल मिलेगा भव्य स्वागत किया अध्यक्ष जी का

कार्यकारिणी की बैठक संपन हुई ने किया पंचायत मैं यह निर्णय किया जाए और आगे बढ़ाया जाए इसका विस्तार अलीगढ़ में ही नहीं संगठन में पूरे जिले के पदाधिकारी अध्यक्षता कर रहे चौधरी हरवीर कार्यकर्ता को पदाधिकारी को संगठन को आगे बढ़ने का कार्य करन सोलंकी सूरज सोलंकी

Paintings like these will enhance the beauty of every corner of the house, the walls will speak

Paintings can add beauty to the interior of your house. They help in giving a simple but classy look to the house and also add a feeling of belongingness to the family. Whether your home is small or big, decorating it according to your liking feels very good and also gives peace to the heart. But often women focus on lights, curtains, sofas and many expensive and beautiful things while decorating the house. Decoration does not mean filling the house with things, but decorating it in a good way and making it attractive. You can make the house beautiful by giving it an artistic look even in less space and money, that too just through some paintings. Main door- The decoration of the main door of the house impresses the visiting guests and makes the house attractive. In such a situation, you can put an attractive painting of a god or goddess or lotus flower at this place, which will be your first step towards giving a smart and traditional look to the house. The painting on the main door will make your house classy and beautiful. Living area- The living area holds a special importance in any house, which you can make special with the help of painting. Nowadays, colorful paintings and golden and green paintings of the tree of life i.e. Kalpvriksha are being liked a lot. Apart from this, paintings of rising sun, river, sea, birds, forest, lush green grasslands, rainbow Eiffel Tower and Swastika symbol are also being liked a lot, which make the walls special and decorate the house. Bedroom- Bedroom is a place that gives you comfort and relaxation. Therefore, you can put paintings of those colors and things in this space, with which you like to stay connected. But always put the painting according to the size of the bedroom. Here you can put a painting of water lily or Radha-Krishna. Children's room- Children's mind is very playful and naughty. They learn very quickly from the things around them. Therefore, you should put such paintings in their room, which teach them something. You can put beautiful paintings of rising sun, great men or good thoughts on the walls of their room, which will enhance the beauty of their room and also teach them something. Kitchen- You can put attractive paintings of happy flowers on the walls of this place. It is said that if food is cooked in the kitchen with a calm and good mind, then its taste increases. Therefore, decorating the walls of the kitchen is also very important. In such a situation, you can put beautiful paintings of Mother Annapurna or fishes on the walls of the kitchen. Special importance of colors- Vastu expert Dr. Rashmi Jain says, while decorating the house with paintings, keep in mind that you do not put paintings of thorny flowers and plants on the walls. This increases the possibility of quarrels among family members. Select the painting keeping in mind the colors as well, because colors have a psychological effect on humans. Therefore, paintings of white, blue, yellow, pink, green, orange and ochre color will be auspicious. Paintings made of bright colors like gray, black and red transmit negative energy in the house. It is auspicious to put paintings of tall buildings and camels in the house. If they are put in the south-west direction, then the energy of this direction gets strengthened and positive energy flows in the house. Therefore, decorate your house, but also keep Vaastu in mind, so that happiness and prosperity comes in the house.

If your child jumps and jumps too much, then he may be suffering from this disease, know the symptoms and treatment

Some children are satisfied with coloring for hours or playing quietly with blocks for half a day. At the same time, some children cannot sit quietly for even two minutes. These can also be symptoms of ADHD. There were frequent complaints from school about 12-year-old Rohan that he does not sit at one place and starts answering without listening to the teacher's question. Both Rohan's parents are employed, so they are not able to understand him properly. To get rid of this problem, Rohan's mother Reena started working from home and found her son's behavior different. Now she was able to understand the complaints coming from the school. So when she took Rohan to the doctor, it was found that he was suffering from ADHD. What is ADHD- ADHD means Attention Deficit Hyperactivity Disorder. It is one of the most common mental disorders affecting children. It is a neurodevelopmental disorder. A child suffering from this disease has symptoms of lack of concentration, hyperactivity and impulsivity. Mostly it gets cured in childhood with some changes, but sometimes it remains active even till adulthood. In such a situation, its timely diagnosis and proper management is very important for the development of the child. There are mainly three types of ADHD - combined presentation, hyperactive/impulsive presentation and inattentive presentation. When does this problem occur - The problem of ADHD is often seen in children up to pre-school or KG. In some children, this condition can become more serious in adolescence, and sometimes this problem also troubles adults. A child suffering from ADHD has symptoms of both inattention and hyperactivity. For example, taking other people's things without permission or interfering with their work. Also, not listening to others, putting only one's own point of view, shouting without reason becomes their habit. Signs for parents - The child is unable to concentrate on any task for a long time. Always full of excessive energy and is unable to sit quietly. The child often starts his work but is unable to complete it. For example, while playing, he leaves one toy and runs towards another. The child may show problems while playing with others, such as quarreling with friends, not listening to them or not following the rules of the game. Management and medical treatment- ADHD can only be diagnosed by a qualified doctor or psychiatrist. For this, the doctor takes information about family history, information during pregnancy and delivery, early development of the child, education, social relations and other health problems, so that it can be ascertained whether the problem is genetic or not. Then through this, he is taught the quality of self-control and positivity, so that the child becomes capable of facing social and educational problems. Safe and supported environment- Dr. Om Prakash, Professor, Department of Psychiatry, Institute of Human Behavior and Allied Sciences, Delhi, says, timely diagnosis and management of ADHD helps in the educational, social and emotional development of children. If symptoms of ADHD appear in the child, then consult a specialist in time. Proper treatment and family support are very important for the child. The role of parents and teachers is important in managing ADHD. Parents should encourage the positive aspects of the child and try to understand his behavior. Creating a stable and supportive environment plays an important role in building the child's confidence. Teachers should create a structured and calm environment for children, where the child feels safe.

A few hours away from Delhi is a mysterious hill station, which is called 'Fairyland'

Have you ever seen fairies? You may not have seen them, but you must have definitely imbibed the form and body of fairies in your mind from your grandmother's stories and film scenes. The fairies of childhood stories seem like childish things to grown-ups, which have nothing to do with reality, but there must be a desire to see their form and color in the memories. There is a place in India where you may get to see fairies. It is said that fairies have settled their country here and fairies can be seen. People at this place live according to the likes and dislikes of fairies. It cannot be confirmed how true the existence and sight of fairies is, but after listening to the stories of the local people and the lifestyle here, one can go to visit the fairyland with a hope. The special thing is that this hill station, famous as the fairyland, is located a few hours away from Delhi. Let us know where the land of fairies is located and how to reach here. The story of this mysterious hill station can force you to come here. Where is the land of fairies? - A small hill station in Uttarakhand is called the land of fairies. The name of this hill station is 'Khait Parvat'. Khait Parvat is located in Garhwal district. Khait Parvat is located at an altitude of about 10000 feet above sea level. This mountain looks no less than a paradise. How to reach Khait Parvat? To go to Khait Parvat, you can reach That village of Fegulipatti in Garhwal district by road from Rishikesh in Uttarakhand by any vehicle. You can get bus service till Tihli Garhwal. Apart from this, you can also go by taxi or your own vehicle. There is a dome-shaped mountain near That village, which is called Khait Parvat. What is the belief? - People say that fairies are suddenly seen on Khait Parvat. They believe that fairies protect the nearby villages. Some people consider them fairies, some consider them Yoginis and forest goddesses. Is the temple also mysterious? - Not only Khait Parvat, the Khaitkhal temple located about 5 km from That village is also considered mysterious. It is said that fairies are worshipped in this temple and a fair is held in the month of June. There are some rules for living here - The people here believe that fairies do not like bright colors, loud music and noise. Therefore, these things are prohibited here. Tourists who come to visit are also instructed not to play music. This place is surrounded by greenery, has pleasant weather and amazing views. Walnuts and garlic are also cultivated on Khait Parvat. You can also come here for camping but you are not allowed to go out of the camp after 7 pm.

Kadambari Jethani accuses politician and IPS officers of harassment, lodges complaint

Kadambari Jethani has also made serious allegations against police officers of complicity in her illegal arrest and misbehavior. The actress claims that three IPS officers kept her and her parents in custody for about 40 days.Actress Kadambari Jethani recently met NTR Police

Commissioner SV Rajashekhar Babu and lodged a complaint against political leader and filmmaker KVR Vidyasagar. The complaint reveals many details about harassment during the YSRCP regime. Along with this, the actress has also accused IPS officers of harassment. Let's know what the whole matter is.Kadambari Jethani accuses IPS officers of harassment- Kadambari Jethani has also made serious allegations against police officers of complicity in her illegal arrest and misbehavior. The actress claims that three IPS officers kept her and her parents in custody for about 40 days. Along with this, the actress told that she was mentally and physically tortured as long as the case went on. Not only this, Kadambari also told that she was implicated in a false case and when she filed a complaint, she was also threatened to withdraw the complaint lodged with the BKC police in Bombay. The actress narrated her ordeal - In an interview, the actress told her ordeal and said, "No honest citizen of the country would ever want his name to be embroiled in all these controversies. I mean who wants his name to be printed in the newspapers. I was dragged into it illegally and unlawfully without my consent. It is said that people keep doing what they do, but I have full faith in God and there are good people in the country, honest and noble people who will not let the innocent get troubled." Complaint was filed against the actress- Let us tell you that earlier YSRC functionary Kukkala Vidya Sagar had also filed a fraud complaint against Kadambari Jethani, but the actress refused to accept it and rejected his claim saying that she had rejected Kukkala Vidya Sagar's marriage offer. That's why he is harassing the actress. The actress has also claimed that a high profile conspiracy was hatched against her.

Raj and DK celebrate 6 years of 'Stree', share interesting stories

'Stree 2' is winning the love of the audience and has succeeded in creating history at the box office with great earnings. In this episode, the first film of the franchise 'Stree' completed six years of its release on Sunday. In this happiness, the writers and producers of the film Raj and DK shared a long post on their social media, which includes many behind-the-scenes pictures as well as the 'real story'. They have also discussed how the small idea of ??the film became such a huge success. The filmmakers have also shared pictures with other actors including Shraddha Kapoor and Rajkummar Rao. Raj and DK wrote the script of 'Stree' and produced it with Dinesh Vijan. However, both of them left the franchise after a rift with producer Dinesh Vijan. At the same time, to celebrate the 6th anniversary of the film, Raj and DK took the help of X and shared how the idea of ??the film came into existence. He also revealed that Stree released after the back-to-back failure of his two films. Along with the untold story, the makers also shared several BTS photos from the sets of the film with the cast and crew of the film. Raj and DK shared a long note in their post in which the filmmaker duo recalled how they wrote its script in three weeks, making it their fastest film. They met the cast and crew at a coffee shop in Andheri. An excerpt from the note read, "A super friendly fun shoot took place in the tiniest town of Chanderi, where we stayed in guesthouses and schools, shot all across the city." Along with the post, he wrote in the caption, "Six years of Stree, a trip down memory lane." On the other hand, Dinesh Vijan's production house Maddock Films also celebrated the film's anniversary by posting a video of famous scenes from the film. The caption of his post read, "Six years ago we met Stree who can do anything, and we have been in love with her ever since." Celebrating six years of Stree. The horror-comedy film 'Stree' was released in 2018. It gave a message on gender issues along with scaring and laughing. The film starred Rajkummar Rao, Shraddha Kapoor, Pankaj Tripathi, Abhishek Banerjee and Aparshakti Khurana in lead roles and is directed by Amar Kaushik.

These films got stuck in legal troubles before release in 2024, Kamal Haasan's film is also in the list

Hundreds of films are produced in India every year. Many times the subjects of these films are such that controversy arises. When sentiments are hurt, people even go to court and plead to ban these films. Today we are going to tell you about some such films, which got stuck in legal troubles before release this year. Emergency- The first name in this list is Emergency. In this film starring Kangana Ranaut, the actress has played the role of Indira Gandhi. She has also directed the film herself. This film is making a lot of headlines before its release. Kangana has even received death threats regarding this. At the same time, a PIL has also been filed to ban the film. It has been said in the petition that historical aspects have been presented in a distorted manner in the film. Indian 2- This year Indian 2 has also got stuck in legal troubles. This film of Kamal Haasan was a sequel to Indian which was released 27 years ago. In the film, the actor played the role of a retired soldier. There was a demand to ban the release of this film directed by director Shankar. Famous martial arts teacher Asan Rajendran had filed a petition in Madurai District Court to ban Indian 2, accusing the makers of the film of not giving him credit. Maharaj - Aamir Khan's son Junaid has entered Bollywood with the film Maharaj. However, his first film itself was surrounded by controversies before its release. Due to the subject of the film, a plea was made to the Gujarat High Court to ban it. While hearing this, the court had put an interim stay on the film, but later it was given permission to release. Hamare Barah Annu Kapoor's film Hamare Barah, released this year, was also in a lot of controversies. Strong objections were raised by a particular community regarding the film. A petition was also filed in the court to ban this film. Initially, the Bombay High Court had postponed the release of the film. However, Hamare Barah was later allowed to be released. For this, the makers of the film had agreed to remove the objectionable portions.